R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 167
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
मंगलवार, 24 फरवरी, 2026

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 संत गाडगे बाबा को दिया जाये भारत रत्न ...
5 ट्रेन से मुंबई जा रहा बुजुर्ग लापता तलाश में भटक ...
7 पॉप क्वीन शकीरा की भारत में धमाकेदार वापसी

दिल्ली में फर्जी बम की धमकी से हड़कंप, मेट्रो से लाल किले तक कड़ी की गई सुरक्षा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ईमेल के माध्यम से बम की धमकी मिलने के बाद दिल्ली भर के सभी मेट्रो स्टेशनों और प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। दिल्ली सचिवालय, दिल्ली विधानसभा, लाल किला और दो स्कूलों सहित कई संस्थानों को सोमवार को बम से संबंधित धमकी वाले ईमेल मिले और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा व्यापक तलाशी के बाद इन्हें फर्जी घोषित कर दिया गया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, हमारी साइबर टीमें उन

आईपी एड्रेस का पता लगाने की कोशिश कर रही हैं जिनका इस्तेमाल करके कुछ बदमाश बम से संबंधित धमकी दे रहे हैं। ऐसे अपराधी पुलिस जांच को गुमराह करने के लिए 'वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क' (वीपीएन) का उपयोग करके ईमेल भेज रहे हैं। लेकिन हमारे विशेषज्ञ आरोपियों का पता लगा लेंगे। अधिकारी ने कहा कि बम की धमकियां मिलने के बाद पुलिस ने दिल्ली मेट्रो स्टेशनों सहित सभी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है।

अधिकारियों ने बताया कि धमकी भरे ईमेल में दिल्ली बनेगा खालिस्तान लिखा था और कहा गया था कि अगले तीन दिनों में दिल्ली आर्मी स्कूल, लाल किला और मेट्रो स्टेशनों में विस्फोट होंगे। उनके मुताबिक, इस ईमेल में दावा किया गया था कि दोपहर 1:11 बजे दिल्ली आर्मी पब्लिक स्कूल, दोपहर 3:11 बजे विधानसभा और सुबह 9:11 बजे लाल किले में विस्फोट होगा। धमकी भरे ई-मेल में मेट्रो सेवाओं का विशेष रूप से उल्लेख होने के बाद, दिल्ली पुलिस ने दिल्ली मेट्रो रेल निगम नेटवर्क के सभी स्टेशनों पर सुरक्षा तैनाती बढ़ा दी है। पुलिस अधिकारी ने कहा, पूरे शहर में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। सभी मेट्रो स्टेशनों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। विध्वंसक गतिविधियों को रोकने के लिए जांच और औचक तलाशी भी की जा रही है।

उन्होंने बताया कि लाल किला, दिल्ली सचिवालय और विधानसभा परिसर सहित संवेदनशील स्थानों पर बम निरोधक दस्ते और श्वान दस्ते की टीमें तैनात की गई हैं। एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा के लिए दिल्ली मेट्रो और अन्य एजेंसियों के अधिकारियों के साथ समन्वय बैठकें आयोजित की गईं। उन्होंने कहा, हमने उत्तर प्रदेश और हरियाणा में अपने समकक्षों से अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले मेट्रो स्टेशनों पर भी सुरक्षा बढ़ाने का अनुरोध किया है। निगरानी बढ़ा दी गई है और सीसीटीवी निगरानी तेज कर दी गई है। अधिकारी ने कहा कि साइबर टीमें ईमेल के स्रोत का पता लगाने और इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए काम कर रही हैं। अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने बताया कि जिन स्थानों पर खतरा था, वहां गहन तलाशी ली गई और कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। हालांकि, एहतियात के तौर पर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी की जाएगी।

ग्वालियर से पांचवां आरोपी गिरफ्तार भारत मंडपम में 'शर्टलेस' प्रदर्शन पर पीएम मोदी का तीखा प्रहार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत मंडपम में आयोजित हाई-प्रोफाइल 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' के दौरान हुए व्यवधान के मामले में दिल्ली पुलिस ने एक और बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने इस मामले के पांचवें आरोपी जितेन्द्र यादव को मध्य प्रदेश के ग्वालियर से गिरफ्तार किया है। आरोपी यादव यूथ कांग्रेस का कार्यकर्ता है, जिसे अदालत ने 2 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया है।

इस मामले में पुलिस अब तक कुल पांच आरोपियों को शिकंजे में ले चुकी है। इससे पहले कांग्रेस यूथ विंग के चार अन्य कार्यकर्ताओं- कृष्णा हरि, कुंदन यादव, अजय कुमार और नरसिम्हा यादव- को हिरासत में लिया गया था। शनिवार को पटियाला हाउस कोर्ट ने इन चारों आरोपियों की जमानत याचिका को खारिज करते हुए उन्हें 5 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया था।

शुक्रवार को नई दिल्ली में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में, यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के एक ग्रुप ने भारत मंडपम वेन्यू पर एक हाई-प्रोफाइल प्रोटेस्ट किया। प्रदर्शनकारियों ने अपनी शर्ट उतार दी और यूनाइटेड स्टेट्स के साथ ट्रेड एग्रीमेंट का विरोध करने के लिए केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए।

चश्मदीदों ने बताया कि सुबह के सेशन के दौरान रुकावट तब आई जब प्रदर्शनकारी खड़े होकर चिल्लाने लगे, जिससे समिट हॉल में मौजूद डेलीगेट्स और अधिकारियों का ध्यान उनकी तरफ गया। जब ग्रुप ने अपनी शिकायतें बताईं, तो सिक्योरिटी वाले हालात को कंट्रोल करने की कोशिश करते दिखे।

यह विरोध प्रदर्शन पांच दिन के समिट के आखिरी दिन हुआ, जिसमें दुनिया भर के लीडर्स और टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट्स ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के डेवलपमेंट और भविष्य पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन पर कांग्रेस पार्टी की कड़ी आलोचना की।

उन्होंने कहा, 'कांग्रेस ने लगातार पार्लियामेंट में रुकावट डाली है और हंगामा किया है। वे न सिर्फ मेरे लिए नफरत दिखाते हैं बल्कि मेरे परिवार का भी अपमान करते हैं। एआई ग्लोबल समिट में उनके कामों ने सारे नियम तोड़ दिए।' उन्होंने कहा कि कांग्रेस के अपने सपोर्टर भी उसके कामों से हैरान थे, और कुछ ने तो उसके बर्ताव की वजह से पार्टी से पीछे हटने का फैसला किया।

आपका दर्द असहनीय और भविष्य, चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल की जनता के लिए पीएम मोदी का पैगाम

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के लोगों को विधानसभा चुनाव से पहले एक चिट्ठी लिखी। उन्होंने कहा कि राज्य की मौजूदा हालत देखकर वह 'बहुत दुखी' हैं। इस साल होने वाले बड़े चुनावों से पहले राज्य में पार्टी के कार्यकर्ता यह चिट्ठी बांट रहे हैं। चिट्ठी में पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल के लोगों को शुभकामनाएं दीं और बताया कि चुनाव के बाद राज्य की किस्मत का फैसला होगा। उन्होंने 'विकसित' पश्चिम बंगाल बनाने का अपना संकल्प भी बताया।

'जय माँ काली' के साथ चिट्ठी की शुरुआत करते हुए पीएम मोदी ने लिखा कि बस कुछ ही महीनों में पश्चिम बंगाल की किस्मत का फैसला हो जाएगा। आने वाली पीढ़ी का भविष्य और वह क्या दिशा लेगी, यह आपके सोचे-समझे फैसले पर निर्भर करेगा। आज मेरे सोनार बांग्ला का सपना देखने वाला हर युवा, बुजुर्ग और महिला बहुत दर्द में है। उनकी तकलीफ मेरे दिल को दुखाती है। इसलिए, मैंने अपने दिल की गहराइयों से एक संकल्प लिया है - पश्चिम बंगाल को 'विकसित' और समृद्ध बनाने का संकल्प। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि पिछले 11 सालों में देश के लोगों के आशीर्वाद की ताकत से, एनडीए सरकार ने जनता की भलाई और पूरे विकास को सबसे ज़्यादा प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा, 'किसानों की भलाई से लेकर युवाओं के सपनों को पूरा करने तक, और महिलाओं को मज़बूत बनाने से लेकर समाज के हर तबके तक पहुँचने तक, हमारी नीतियों और लगातार कोशिशों के अच्छे नतीजे आज साफ़ दिख रहे हैं।' अपने लेटर में, प्रधानमंत्री मोदी ने ममता बनर्जी की सरकार पर 'बहुत ज़्यादा असहयोग' का आरोप लगाया और कहा कि राज्य की किस्मत का फैसला कुछ महीनों में हो जाएगा।

राज्य सरकार के असहयोग और विरोध के बावजूद, आज पश्चिम बंगाल के करीब 5 करोड़ लोग 'जन-धन योजना' के ज़रिए बैंकिंग सिस्टम से जुड़ चुके हैं। 'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत राज्य में 85 लाख टॉयलेट बनाए गए हैं। जहां राज्य की सत्ताधारी पार्टी गरीबों की रोजी-रोटी छीन रही है, वहीं हमने छोटे व्यापारियों और उद्यमियों को ?2.82 लाख करोड़ के लोन देकर मदद का हाथ बढ़ाया है। मुझे 'अटल पेंशन योजना' के तहत 56 लाख सीनियर सिटिज़न्स को बुढ़ापे में आत्मनिर्भर बनाने का सौभाग्य मिला है। मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूँ कि मैंने 'उज्ज्वला योजना' के ज़रिए 1 करोड़ से ज़्यादा परिवारों को एलपीजी कनेक्शन देकर माताओं और बहनों को धुएं से आज़ाद किया है। लेटर में कहा गया है कि पश्चिम बंगाल के किसान अपने परिवारों का पेट भरने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि वे 'पूरे देश का पेट भरते हैं'। लेटर में कहा गया है, ऐसे मुश्किल हालात में, मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूँ कि मैंने 'किसान सम्मान निधि' के ज़रिए 52 लाख से ज़्यादा किसानों को सीधे पैसे की मदद देकर उनके चेहरों पर मुस्कान लाई है। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें राज्य की हालत देखकर दुख हो रहा है, उन्होंने आज़ादी के बाद की तेज़ी के बारे में बताते हुए एक अलग तस्वीर पेश की।

बीमा की गलत बिक्री अब अपराधः वित्त मंत्री की बैंकों को सख्त चेतावनी, 1 जुलाई से लागू होंगे कड़े नियम

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकों द्वारा बीमा सहित अन्य वित्तीय उत्पादों की गलत तरीके से बिक्री (मिस-सेलिंग) पर सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट कहा है कि यह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत अपराध है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि बैंकों को अपने मूल कार्य–जमा जुटाने और ऋण देने–पर ध्यान देना चाहिए, न कि अनावश्यक बीमा उत्पाद थोपने पर। बजट के बाद आरबीआई के केंद्रीय निदेशक मंडल को संबोधित करने के पश्चात पत्रकारों से बातचीत में सीतारमण ने कहा कि कई मामलों में ग्राहकों को ऐसे बीमा उत्पाद बेचे जा रहे हैं, जिनकी उन्हें आवश्यकता ही नहीं है। उन्होंने कहा कि 'गलत बिक्री बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी।' भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 11 फरवरी को मिस-सेलिंग पर दिशानिर्देशों का मसौदा जारी किया था। प्रस्तावित नियमों के तहत यदि किसी ग्राहक को भ्रामक जानकारी देकर उत्पाद बेचा जाता है, तो बैंक को पूरी राशि लौटानी होगी और नुकसान की भरपाई भी करनी होगी। इस पर 4 मार्च तक सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी गई हैं और 1 जुलाई से कड़े नियम लागू होंगे। सीतारमण ने कहा कि अब स्पष्ट संदेश जाना चाहिए कि गलत बिक्री कानूनन अपराध है। वित्त मंत्री ने बताया कि अब तक ऐसे मामलों में आरबीआई और बीमा नियामक (इरडा) के बीच नियामकीय अंतर बना रहा, जिससे ग्राहकों को नुकसान उठाना पड़ा। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति गृह ऋण के लिए संपत्ति गिरवी रखता है, तो उससे अतिरिक्त बीमा खरीदने का दबाव क्यों डाला जाता है, जबकि जोखिम पहले से कवर होता है।सीतारमण ने बैंकों से कहा कि वे ग्राहकों की जरूरतों और उनकी वित्तीय स्थिति को समझने पर ध्यान दें।

पीएम मोदी के पिता पर उदयनिधि का विवादित बयान भड़की भाजपा ने दी 'समझदार' होने की नसीहत

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता नारायणन तिरुपति ने सोमवार को तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन द्वारा कोयंबटूर में डीएमके युवा शाखा के एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई हालिया टिप्पणियों की आलोचना की। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि इतने उच्च पद पर बैठे व्यक्ति को परिपक्वता से व्यवहार करना चाहिए। भाजपा प्रवक्ता नारायणन तिरुपति ने एएनआई से बात करते हुए कहा कि उपमुख्यमंत्री के तौर पर उदयनिधि स्टालिन को परिपक्व व्यवहार करना चाहिए और इस तरह की बातें करने से कोई फायदा नहीं होगा। इससे द्रविड़ मॉडल डीएमके की घटिया मानसिकता और निम्न स्तर की सोच झलकती है, और उनके जैसे कद के व्यक्ति का प्रधानमंत्री के बारे में इस तरह की बातें करना, मुझे लगता है कि उन्हें परिपक्व होना चाहिए। इससे साफ पता चलता है कि वे इतने अपरिपक्व हैं कि लोग उन्हें मुख्यमंत्री या उपमुख्यमंत्री के रूप में कैसे स्वीकार करेंगे।

इसी बीच, रविवार को तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा-एआईएडीएमके गठबंधन पर तीखा हमला करते हुए कहा कि डीएमके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नहीं डरती, 'चाहे प्रधानमंत्री के पिता भी आ जाएं।' कोयंबटूर में डीएमके युवा विंग के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उदयनिधि स्टालिन ने आगामी चुनावों को तमिलनाडु और दिल्ली के बीच की लड़ाई बताया।

उन्होंने कहा कि जब भी मोदी टीवी पर आते हैं, लोग इस बात से डर जाते हैं कि वे क्या घोषणा करने वाले हैं। मोदी द्वारा नोटबंदी और कोरोना (लॉकडाउन) की घोषणाओं ने लोगों को भयभीत कर दिया। लेकिन अगर स्टालिन टीवी पर आते हैं, तो लोग नई योजनाओं की घोषणाओं से खुश हो जाते हैं। हम तमिलनाडु के कल्याण के लिए अपने अधिकारों का त्याग कभी नहीं करेंगे। हम प्रधानमंत्री मोदी से नहीं डरेंगे, चाहे उनके पिता भी आ जाएं।

स्टालिन ने एआईएडीएमके महासचिव और तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के नेता एडप्पाडी के पलानीस्वामी पर केंद्रीय बजट 2026-27 की प्रशंसा करने के लिए भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि हालिया केंद्रीय बजट में तमिलनाडु के लिए कोई कल्याणकारी योजना घोषित नहीं की गई। तुरंत ही ईपीएस ने बजट की प्रशंसा की। वे भाजपा के एक गंभीर बदमाश बन गए हैं। केंद्र द्वारा कोयंबटूर और मदुरै मेट्रो परियोजनाओं के लिए धनराशि जारी न करने की बात दोहराते हुए तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जब हमने कोयंबटूर और मदुरै मेट्रो के लिए धनराशि आवंटित करने का अनुरोध किया, तो धनराशि जारी नहीं की गई। यह लड़ाई तमिलनाडु और दिल्ली के बीच है।

यूजीसी फर्जी यूनिवर्सिटी लिस्ट : रांची का 'दक्ष विश्वविद्यालय' निकला फर्जी, डिग्री नहीं होगी मान्य

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने देशभर के 32 संस्थानों को फर्जी विश्वविद्यालय घोषित किया है। इस सूची में झारखंड का कथित 'दक्ष विश्वविद्यालय' भी शामिल है। आयोग ने साफ किया है कि इन संस्थानों द्वारा दी गई डिग्रियां न तो सरकारी या निजी नौकरी में मान्य होंगी और न ही आगे की पढ़ाई के लिए स्वीकार की जाएंगी।

यूजीसी के अनुसार, ये संस्थान खुद को विश्वविद्यालय बताते हैं, लेकिन इन्हें न केंद्र सरकार और न ही राज्य सरकार से कोई मान्यता मिली है। आयोग ने छात्रों और अभिभावकों से अपील की है कि किसी भी विश्वविद्यालय या कॉलेज में दाखिला लेने से पहले उसकी मान्यता यूजीसी की आधिकारिक वेबसाइट पर जरूर जांच लें। सूची में शामिल 'दक्ष विश्वविद्यालय' का पता भास्कर पथ, न्यू पुनदाग, मसीबारी, रांची - 834007 बताया गया है। स्थानीय जांच में इस पते पर कोई विश्वविद्यालय संचालित होता नहीं मिला। आसपास के लोगों ने भी ऐसे किसी शिक्षण संस्थान के अस्तित्व से इनकार किया। हालांकि इंटरनेट पर इस नाम से एक वेबसाइट जरूर दिखाई देती है, जिसमें कई कोर्स और डिग्री कार्यक्रमों की जानकारी दी गई है। लेकिन वेबसाइट पर कोई स्पष्ट संपर्क नंबर, अधिकृत कार्यालय या प्रशासनिक ढांचे की ठोस जानकारी उपलब्ध नहीं है। इससे संदेह और गहरा हो जाता है कि यह संस्थान केवल ऑनलाइन तक सीमित हो सकता है।

रांची विश्वविद्यालय के पूर्व सिंडिकेट सदस्य डॉ. अटल पांडे ने कहा कि झारखंड में 'दक्ष विश्वविद्यालय' नाम का कोई मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय नहीं है। यदि कोई संस्था विश्वविद्यालय के नाम पर छात्रों को गुमराह कर रही है, तो उस पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। स्टेट यूनिवर्सिटी एसोसिएशन के पदाधिकारी डॉ. राजकुमार ने कहा कि फर्जी विश्वविद्यालय अक्सर आकर्षक विज्ञापनों, जल्दी डिग्री देने के वादे, ऑनलाइन कोर्स और कम फीस का लालच देकर छात्रों को फंसाते हैं। बाद में जब डिग्री की वैधता पर सवाल उठते हैं, तो छात्रों का भविष्य संकट में पड़ जाता है।

झारखंड में फिलहाल करीब 30 से 32 मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय संचालित हैं। पूर्व कुलपति एस.एन. मुंडा ने कहा कि जागरूकता ही इस समस्या का सबसे बड़ा समाधान है। किसी भी संस्थान में दाखिला लेने से पहले उसकी वैधानिक स्थिति की जांच करना जरूरी है, ताकि छात्रों का भविष्य सुरक्षित रह सके।

सुखबीर सिंह जौनापुरिया का वीडियो वायरल

मोदी को गाली दोगे तो कंबल नहीं मिलेगा मुस्लिम महिलाओं को खाली हाथ भगाया

जयपुर **(एजेंसी)**। राजस्थान के टोंक जिले से मानवता को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है। पूर्व सांसद और भाजपा नेता सुखबीर सिंह जौनापुरिया पर आरोप लगा है कि उन्होंने एक कंबल वितरण कार्यक्रम के दौरान मुस्लिम महिलाओं को पहचान कर उनसे कंबल वापस छीन लिए और उन्हें कार्यक्रम स्थल से बाहर कर दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जंगल की आग की तरह वायरल हो रहा है, जिसने प्रदेश की राजनीति में तूफान खड़ा कर दिया है। एक वायरल वीडियो में, जौनापुरिया, जिन्होंने अपने काम का बचाव किया, महिलाओं से यह कहते हुए सुने जा सकते हैं कि जो लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गाली देंगे, उन्हें कोई कंबल नहीं मिलेगा। क्लिप में जौनापुरिया महिलाओं के एक ग्रुप को कंबल देते हुए और उनमें से एक से उसका नाम पूछते हुए दिख रहे हैं। जब वह मुस्लिम नाम बताती है, तो वह अपने साथियों को उसे कंबल न देने का निर्देश देते हैं। उन्होंने कहा, 'जो लोग इश मोदी को गाली देते हैं, उन्हें कंबल पाने का कोई अधिकार नहीं है। अगर किसी को चोट लगती है तो मैं कुछ नहीं कर सकता।' इसके बाद भाजपा नेता महिलाओं से वहां से जाने के लिए कहते हैं और पहले बांटे गए कंबल वापस ले लेते हैं। जब कुछ गांववालों ने विरोध किया, तो जौनापुरिया टस से मस नहीं हुए और अपनी बात पर अड़े रहे, उन्होंने कहा, 'मैं जिसे चाहता हूं, उसे देता हूं।' बाद में वीडियो में, कई लोग मुस्लिम महिलाओं को कंबल देने से मना करने पर भाजपा नेता से भिड़ते हुए दिखते हैं, और उनसे कहते हैं कि महिलाओं ने खाली हाथ भेजे जाने से पहले घंटों इंतज़ार किया था। सिंह जवाब देते हैं कि वह बहस नहीं करना चाहते और फिर मौके से चले जाते हैं। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने एक्स पर वायरल वीडियो शेयर किया और जौनपुरिया पर मुस्लिम महिलाओं का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने हिंदी में ट्वीट किया, 'भाजपा के पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया टोंक में कंबल बांट रहे थे। फिर, उन्होंने एक गरीब मुस्लिम महिला का अपमान किया और उससे कंबल वापस ले लिया। असल में, यह छोटी और घटिया सोच वाला आदमी ही दिल और सोच से असली गरीब है। लोगों ने विरोध करके सही किया, उन्हें कंबल सीधे उसके मुंह पर मारना चाहिए था।'

जौनपुरिया ने बाद में कंबल बांटने की मुहिम से मुस्लिम महिलाओं को बाहर रखने के अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि यह कदम सही था। उन्होंने पूछा, 'एक खास धर्म के लोग मोदी के खिलाफ हैं और उनके बारे में बेबुनियाद कमेंट करते रहते हैं। यह भी सच नहीं है कि सभी हिंदू भाजपा को सपोर्ट करते हैं। लेकिन क्या कभी किसी खास धर्म के लोग मोदी की रैली में आएंगे?' उन्होंने दावा किया कि वह अपने कम्युनिटी किचन से खाना बांटते समय या स्कूलों में स्टूडेंट्स को स्टडी मटीरियल देते समय भेदभाव नहीं करते, लेकिन इस मामले में उनके काम सही थे।

'गिरफ्तारी होगी तो भी सहयोग करेंगे, सच सामने आएगा', वाराणसी में आरोपों के बीच स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का पलटवार

वाराणसी **(एजेंसी)**। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने यौन शोषण के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि अगर पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने के लिए कार्रवाई भी करती है तो वह उसका विरोध नहीं करेंगे और जांच में पूरा सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा, 'जनता सब देख रही है। झूठ आखिरकार सामने आ ही जाता है। आज नहीं तो कल, कल नहीं तो परसों सच्चाई सामने आएगी। स्वामी ने दावा किया कि वे पूरे समय कैमरों की निगरानी में थे। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में हर जगह सीसीटीवी कैमरे लगे हैं और प्रशासन वॉर रूम से मॉनिटरिंग करता है। उनके मुताबिक, 'हमारे कैंप के बाहर बस खड़ी थी क्योंकि पुलिस की सख्ती के बाद हम कैंप में दाखिल नहीं हुए। ऐसे में जो कुछ भी हुआ होगा, वह सीसीटीवी में रिकॉर्ड हुआ होगा।

उन्होंने यह भी कहा कि जिन लड़कों का नाम मामले में लिया जा रहा है, वे कभी उनके गुरुकुल में पढ़ने नहीं आए और न ही उनका उनसे कोई संबंध है। स्वामी के अनुसार, वे छात्र हरदोई के एक स्कूल के हैं, जिसकी मार्कशीट केस में जमा की गई है। उन्होंने सवाल उठाया कि 'जब वे कभी यहां आए ही नहीं, तो उनके साथ यहां कुछ कैसे हो सकता है? स्वामी ने कथित 'सीडी' का जिक्र करते हुए भी सवाल उठाया कि अगर कोई वीडियो सबूत है तो उसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया जा रहा। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में इन सभी सवालों के जवाब देने होंगे। इसके साथ ही स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने आरोप लगाया कि कुछ लोग सनातन धर्म को बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'कुछ लोग चोगा पहनकर खुद को हिंदू बताते हैं, लेकिन हिंदुओं के खिलाफ काम कर रहे हैं।' फिलहाल मामले की जांच जारी है। पुलिस की ओर से आधिकारिक जांच और साक्ष्यों के आधार पर ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक एवं जिलाधिकारी द्वारा सोमवार को जनपद में संचालित उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल/इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा के दृष्टिगत विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने परीक्षा की शुचिता और सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया।

ज्ञात हो कि निरीक्षण के दौरान परीक्षा कक्षों, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, प्रश्नपत्र सुरक्षा कक्ष एवं ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल व स्टैटिक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति की जांच की गई। केंद्र व्यवस्थापकों को परीक्षा को पूर्णतः नकलविहीन और निष्पक्ष वातावरण में संपन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि परीक्षा अवधि के दौरान केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ न लगने दें।

भाजपा सरकार गरीबों की जीविका से कर रही खिलवाड़ : अजय राय

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय नेवादा ब्लॉक के अकबराबाद गांव पहुंचे। जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में उन्होंने मनरेगा योजना में विगत एक साल से वेतन न मिलने के कारण आर्थिक तंगी से जूझ रहे मृतक इंद्रपाल सरोज के परिवार से मुलाकात की। अजय राय ने परिजनों को ढांढस बंधाया और उनके अधिकारों की लड़ाई लड़कर न्याय दिलाने का आश्वासन दिया।

ज्ञात हो कि इस दौरान अजय राय ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह सरकार गरीबों के हित में कार्य करने में विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस द्वारा शुरू की गई मनरेगा जैसी योजनाओं को सरकार नाम बदलकर समाप्त करना चाहती है और श्रमिकों का पैसा रोककर उन्हें भ्रम में रख रही है। उन्होंने कहा कि इंद्रपाल सरोज की मृत्यु आर्थिक तंगी के कारण हुई है और कांग्रेस इस लड़ाई को मजबूती से लड़ेगी। इस अवसर पर मनरेगा संयोजक संजय दीक्षित, पूर्व विधायक चायल विजय प्रकाश, सुधाकर तिवारी, रामबहादुर त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद अकरम, दीपक पाण्डेय, मनोज सिंह पटेल, आशीष मिश्रा पप्पू, कौशलेश द्विवेदी, अलकमा उस्मानी, नैय्यर रिजवी, रामसूरत रैदास, कुलदीप शुक्ला, राजनारायण पासी, खुर्शीद अनवार, रजनीश पाण्डेय, शमीम आलम, जिला महासचिव सुरेन्द्र शुक्ला, संतोष शुक्ला, अर्श खुर्शीद, आसिफ अल्वी, हेमंत रावत, नगर अध्यक्ष मंझनपुर संगीता कोरी, शकील अब्बास, सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय, ब्लॉक अध्यक्ष नेवादा रावेंद्र यादव, ब्लॉक अध्यक्ष मंझनपुर प्रदीप सिंह पटेल, नगर अध्यक्ष चरवा निक्की पाण्डेय, ब्लॉक अध्यक्ष सिराथू रामप्रकाश पंडा, वीरेंद्र सोनकर, विनोद पाण्डेय, महेंद्र मिश्रा, कैलाश केसरवानी, सेवादल जिलाध्यक्ष जमशेद अहमद, मोहम्मद मिज़ान, तबरेज अहमद, नगर अध्यक्ष अझुवा विजय यादव, पिंटू सरोज, दीपक शर्मा सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा अनुसूचित मोर्चा ने मनाई संत गाडगे बाबा की जयंती

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। भारतीय जनता पार्टी के अनुसूचित मोर्चा द्वारा सोमवार को डायट मैदान में संत गाडगे महाराज की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस कार्यक्रम में वक्ताओं ने बाबा गाडगे के सामाजिक योगदान और उनके सुधारवादी विचारों को याद किया।

ज्ञात हो कि जिला अध्यक्ष शिवमूरत उर्फ भाइयन पासी ने कहा कि संत गाडगे महाराज ने अपना पूरा जीवन बहुजन समाज को जागरूक करने और समाज की कुरीतियों को समाप्त करने के लिए समर्पित किया। मोर्चा के उपाध्यक्ष ब्रह्मानन्द पासी ने अपने संबोधन में कहा कि समाज सुधार के क्षेत्र में बाबा गाडगे द्वारा किए गए कार्य सदैव याद किए जाएंगे। कार्यक्रम के संयोजक सतीश गोयल ने कहा कि बाबा का जीवन स्वच्छता और सेवा का प्रतीक रहा है। इस अवसर पर जिला मंत्री मंजे लाल, जिला महामंत्री मदन महाराज पासी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सीओ द्वारा आगामी त्यौहार होलिका दहन होली ईद-उल-फितर को लेकर पीस कमेटी गोष्ठी

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के आदेश के अनुक्रम में आगामी त्यौहार होली, ईद-उल-फितर को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन व रोहिनी यादव क्षेत्राधिकारी बाँसी के मौजूदगी में अनूप कुमार मिश्र थानाध्यक्ष थाना खेसरहा के नेतृत्व में आज दिनांक 23.02.2026 को थाना स्थानीय पर थानाक्षेत्र के होलिका दहन के आयोजकों, दोनो समुदाय के धर्मगुरुओं व सम्भ्रांत व्यक्तियों की उपस्थिति में त्यौहार होली, ईद-उल-फितर को सकुशल व सौहार्दपूर्ण मनाने हेतु पीस कमेटी की बैठक की गई।

शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आगामी त्यौहार को लेकर पीस कमेटी की बैठक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में होली पर्व को लेकर मिश्रौलिया थाना क्षेत्र अन्तर्गत स्थित चेतिया चौकी के संभ्रांति व्यक्तियों और धर्म गुरुओं के साथ समन्वय बैठक किया गया। सभी क्षेत्रवासियों से होली पर्व को शान्तिपूर्ण व्यवस्था में मनाया जाने की अपील की गई। मिश्रौलिया थाना प्रभारी राजेश कुमार तिवार के नेतृत्व में चेतिया चौकी प्रभारी प्रदीप कुमार चौहान पीस कमेटी की बैठक की

गई। सभी प्रतिनिधियों को उनकी जिम्मेवारी दी गई कि अपने अपने क्षेत्र में जलूस पर नजर बनाये रखें और कोई बवाल न होने पायें। चेतिया प्रधान प्रतिनिधि मंगल सैनी, प्रधान प्रतिनिधि राकेश गुप्ता, चंद्रशेखर भारत ने भी अपने क्षेत्र की शान्ति व्यवस्था की जिम्मेवारी ली और सभी को अपने कर्तव्य निभाने की बात कही।क्षेत्रीय लोगों से अपील किया गया कि होली पर हुड़दंग न होने पायें। कहीं कोई दिक्कत आती है तो स्वयं उस पर विवाद न करें।पुलिस को सूचना करें, कार्यवाही कर दी जायेगी। डीजे की आवाज को तीव्र आवाज न दें, ताकि किसी को कोई दिक्कत न हो। धर्मस्थलों से दूरी बनाकर होली मनायें। रमजान माह भी चल रहा है, दोनों पर्व एक साथ है। आपसी सौहार्द से ही पर्व मनायें। इस दौरान अशोक, पुल्लू बाबा, सुरेश यादव, घनश्याम चौरसिया, सन्तराम, अशोक, आदि शामिल रहे।

होली, रमजान व ईद-उल-फितर के दृष्टिगत सम्भ्रान्त व्यक्तियो के साथ पीस कमेटी की बैठक

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी व उप जिलाधिकारी विवेकानंद मिश्रा द्वारा चौकी बढ़नी थाना ढेबरुआ पर प्रभारी निरीक्षक दुर्गा प्रसाद ढेबरुआ की मौजूदगी में आगामी त्यौहार होली व ईद-उल-फितर को सकुशल एवं शान्तिपूर्ण ढ़ग से सम्पन्न कराये जाने हेतु थाना क्षेत्र के सम्भ्रान्त व्यक्तियों, ग्राम प्रधान तथा धर्मगुरूओ के साथ पीस कमेटी मीटिंग आहूत की गयी । जिसमे लोगो से त्यौहार के सम्बन्ध मे कोई विवाद या समस्या के सम्बन्ध मे पूछा गया किसी द्वारा कोई विवाद नही बताया गया । मीटिंग में उपस्थित सभी व्यक्तियों से उक्त त्यौहार को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के सम्बन्ध में उच्चाधिकारीगण द्वारा प्राप्त दिशा निर्देशो का पालन करने हेतु अवगत कराया गया।

पुलिस अधीक्षक ने जनसुनवाई कर फरियादियों की समस्याएं सुनीं

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्वारा सोमवार को पुलिस कार्यालय में आम जनमानस की समस्याओं के निस्तारण हेतु जनसुनवाई आयोजित की गई। इस दौरान उपस्थित फरियादियों द्वारा प्रस्तुत शिकायती प्रार्थना पत्रों को गंभीरता से सुना गया।

ज्ञात हो कि संबंधित प्रभारियों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित एवं निष्पक्ष कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा यह निर्देश दिया गया कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए ताकि आमजन को शीघ्र राहत मिल सके और पुलिस पर जनता का विश्वास और अधिक मजबूत एवं सुदृढ़ हो।

10 हजार की रिश्वत लेते लेखपाल गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सोमवार को लखनऊ की विजिलेंस टीम ने पश्चिम शरीरा क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक लेखपाल को 10 हजार रुपये की घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। विजिलेंस की इस औचक कार्रवाई से पूरे राजस्व विभाग में हड़कंप मच गया है और स्थानीय स्तर पर इसे भ्रष्टाचार के खिलाफ एक कड़ा संदेश माना जा रहा है।

ज्ञात हो कि पूरा मामला पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र का है जहां चंपहा निवासी भोलानाथ जायसवाल को हैसियत प्रमाण पत्र बनवाना था, जिसके लिए सिंघवल गांव में तैनात लेखपाल महेंद्र कुमार मौर्य ने 10 हजार रुपये की मांग की थी। पीड़ित की शिकायत पर विजिलेंस टीम ने जाल बिछाया और सोमवार की दोपहर चंपहा बाजार स्थित एक मिठाई की दुकान पर जैसे ही रिश्वत की रकम दी गई, टीम ने लेखपाल को दबोच लिया।

अजित पवार को याद कर रो पड़े दिग्गज! शिंदे को याद आए अपने बच्चे; उद्धव ठाकरे भी हुए एमोशनल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। महाराष्ट्र विधानमंडल का बजट सत्र 2026 सोमवार को एक ऐसी दुर्लभ राजनीतिक एकता और गहरे शोक का गवाह बना, जो राज्य के इतिहास में कम ही देखने को मिलता है। सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों सदनों के वरिष्ठ नेताओं ने पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार को अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। नेताओं ने उन्हें केवल एक अनुभवी प्रशासक के रूप में ही नहीं, बल्कि एक ऐसे कद्दावर व्यक्तित्व के रूप में याद किया, जिसकी कमी ने राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में एक गहरा शून्य पैदा कर दिया है।

मुख्यमंत्री फडणवीस का भावुक संबोधन

शोक प्रस्ताव पेश करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस बेहद भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि यह क्षण अत्यंत भावनात्मक है और उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि उन्हें अजित पवार के लिए इस तरह बोलना पड़ेगा। फडणवीस ने अजित पवार को अपना करीबी दोस्त और मार्गदर्शक बताते हुए कहा कि उनका रिश्ता राजनीति से बहुत परे था। उन्होंने पवार के अनुशासन, सुबह जल्दी काम शुरू करने की दिनचर्या और उनकी तेज प्रशासनिक पकड़ को याद किया। फडणवीस ने यह भी रेखांकित किया कि पवार ने 11 बार राज्य का बजट पेश किया था और वह एक नया रिकॉर्ड बनाने के करीब थे, जो अब अधूरा रह गया। विधान परिषद में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख सके। एक दुखद दुर्घटना में अपने दो बेटों को खोने के अपने व्यक्तिगत दर्द का जिक्र करते हुए शिंदे ने कहा कि वह अजित पवार के परिवार सुनेत्रा ताई, पार्थ और जय के दुख को गहराई से समझते हैं। शिंदे ने कहा कि दादा मुझसे बड़े थे मैंने अपना एक बड़ा भाई खो दिया है। उन्होंने महा विकास अघाड़ी सरकार के दौरान साथ काम करने के दिनों को याद करते हुए पवार की स्पष्टता, अधिकारियों को विश्वास में लेने की क्षमता और शासन की गति को बनाए रखने के उनके दृढ़ संकल्प की सराहना की।

स्वामी हरिहरानंद सरस्वती बने थावे विद्यापीठ के कुलाधिपति

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। थावे विद्यापीठ के विशेष अधिवेशन प्रयागराज के स्वामी भजनानंद मृत्युंजय सेवा धाम, झूसी में संपन्न हुआ। जिसमें विद्यापीठ के विद्वत परिषद एवं समस्त पदाधिकारियों ने एकमत से महामंडलेश्वर श्री स्वामी हरिहरानंद सरस्वती - परमाध्यक्ष देवी संपद मंडल को थावे विद्यापीठ का कुलाधिपति बनाने की अधिसूचना जारी की।

कला, साहित्य और संस्कृति के उन्नयन और विकास के क्षेत्र में कार्य करने वाले थावे विद्यापीठ, गोपालगंज, बिहार की एक दिनी विशेष अधिवेशन 22 फरवरी 2026 को प्रयागराज धाम के संगम तट पर स्थित स्वामी भजनानंद मृत्युंजय सेवा धाम, झूसी के स्वामी भजनानंद मंडपम, भव्य सभागार में संपन्न हुआ। जिसमें विद्यापीठ के समस्त पदाधिकारी, विद्वत परिषद एवं सामान्य परिषद की बैठक में महामंडलेश्वर श्री स्वामी हरिहरानंद सरस्वती जी महाराज, जो देवी संपद मंडल के परमाध्यक्ष भी हैं, के नाम का प्रस्ताव थावे विद्यापीठ के उप कुलसचिव डॉ गिरधारी लाल अग्रवाल ने रखा। जिस पर कुलपति डॉ विनय कुमार पाठक, प्रतिकूलपति डॉक्टर जंग बहादुर पांडे, कुलसचिव डॉक्टर पीएस दयालयति ने अपनी सहमति प्रकट की। इस अनुशंसा के बाद स्वामी हरिहरानंद सरस्वती के नाम की थावे विद्यापीठ के कुलाधिपति के रूप में अधिसूचना जारी कर नियुक्ति कर दी गई। जिसका उपस्थित जन समुदाय ने करतल ध्वनि स्वागत किया।इसके साथ ही प्रतिकूलपति डॉक्टर जंग बहादुर पांडे, जिनका कार्यकाल आज पूरा हो रहा था, उनको पुनः प्रतिकूलपति के पद पर ही चयनित किया गया।

नवनियुक्त कुलाधिपति डॉ हरिहरानंद सरस्वती ने अपने उद्बोधन में कहा कि वे थावे विद्यापीठ के उत्कर्ष में मनसा वाचा कर्मणा संलग्न हो कर सबके साथ मिलकर कार्य करेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में विद्यापीठ के माध्यम से सेवा का एक सुअवसर प्राप्त हुआ है हम सबको इसका लाभ उठाना चाहिए। कुलपति डॉ विनय कुमार पाठक ने कुलाधिपति बनने पर उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। विद्यापीठ परिवार और उपस्थित जन समुदाय ने तालियों की गड़गड़ाहट से प्रसन्नता व्यक्त की।

इस शुभ अवसर पर हरिहरनाथ क्षेत्र के उदासीन स्वामी श्री विष्णु दास जी महाराज (मोनी बाबा) भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। ये तपस्वी सिद्ध संत हैं और केवल टाट अथवा बोरा का ही वस्त्र के रूप में उपयोग करते हैं। इनके साथ ही जगतगुरु श्री दिलीप योगीराज जी महाराज भी उपस्थित रहे। राष्ट्र के अनेक प्रांतो से आए साहित्यकार, कवि, लेखक, विद्वतजन भी इस पुनीत कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

दोपहर में भोजनावकाश के पश्चात थावे विद्यापीठ का गरिमामय दीक्षांत समारोह प्रारंभ हुआ। जिसमें देश-विदेश के अनेक साहित्यकार, विद्वान पुरुष, कवि, लेखक आदि को विद्या वाचसपति एवं विद्यासागर की मानद उपाधि प्रदान की गई। साथ ही कुछ समाजसेवियों का भी सम्मान थावे विद्यापीठ की ओर से किया गया। सभी विद्वान प्रतिभागियों को विद्यापीठ के कुलाधिपति डा स्वामी हरिहरानंद सरस्वती, कुलपति डॉ विनय कुमार पाठक, प्रतिकूलपति डॉक्टर जंग बहादुर पांडे, कुलसचिव डॉ पीएस दयालयती, उप कुलसचिव डॉ गिरधारी लाल अग्रवाल ने इन सभी को सम्मानोपाधि में प्रमाणपत्र और मोमेंटो प्रदान किया गया। इस अवसर पर स्वामी भजनानंद मृत्युंजय सेवा धाम झूसी के व्यवस्थापक जगदीश शरण त्रिपाठी, सुखदेव दुबे, मनीष कपूर और विष्णु अग्रवाल को विद्यापीठ की ओर से मोमेंटो प्रदान किया गया।

थावे विद्यापीठ के डा गिरधारी लाल अग्रवाल ने बताया कि इस बैठक के पश्चात सभी संतो और थावे विद्यापीठ परिवार ने मिलकर फूलों की होली खेल कर सनातन संस्कृति और भारतीय रीति रिवाज के प्रति अपनी भावना प्रदर्शित की। होली के लोकगीत संगीत के मध्य अतिआनंद और उत्साह के साथ फूलों की होली का आनंद सभी ने उठाया। फूलों की माला और खुले फूलों से तथा सुमधुर संगीत के साथ नचाते गाते सभी लोग आनंदित होते रहे। इसी बीच ऋतु के अनुकूल वसंत कव्योत्सव का आयोजन भी किया गया। जिसमें अनेक कवियों ने अपने कविताओं से दर्शक दीर्घा को गुदगुदाया।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्याः EL-C-PRYJ-10-25-26 दिनांक 23.02.2026

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण/उत्तर मध्य रेलवे/ प्रयागराज निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक 20.03.2026 समय 15.00 बजे तक आमंत्रित करते हैं। निविदा सम्बन्धी विस्तृत विवरण निम्नवत् है- निविदा खुलने की तिथि 20.03.2026

क्र.सं.1. निविदा संख्या: EL-C-PRYJ-10-25-26

कार्य का नाम: 25 के.वी.ए.सी. इलेक्ट्रिफिकेशन वर्क फॉर बैलेंस वर्क ऑफ़ प्रयागराज यार्ड रिमोडल्लिंग वर्क (संक्सन अंडर अम्ब्रेला वर्क 2019-20) (P.B. Item No. 92 of 2019-20)

प्रकाशित कार्य की लागतः ₹ 17,01,57,452.40/-, बोली प्रतिभूतिः ₹ 10,00,800/-, कार्य अवधिः 18 माह

नोटः- 1. उपरोक्त सभी ई-निविदाओं का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर समय 15.00 बजे टेण्डर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। 2. उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको Digital हस्ताक्षर प्रमाण-पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 417/26 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

प्रयागराज पुलिस के काशी पहुंचने पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद बोले- कहीं भाग नहीं रहा हूं, पूरा सहयोग करूंगा

प्रयागराज। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि अगर मेरे ऊपर कोई आरोप लगा है तो पुलिस इसकी जांच करवाए, हम पूरा सहयोग करने को तैयार हैं, ताकि जल्दी से मेरे ऊपर लगे कलंक का निस्तारण हो सके। कहा कि कहानी गढ़कर मेरे ऊपर झूठा आरोप लगाया गया है। सोमवार को श्रीविद्या मठ में मीडिया से बातचीत में कहा कि जनता को उत्तर प्रदेश पुलिस पर विश्वास नहीं हैं, मेरे ऊपर लगे आरोपों की जांच उन प्रदेशों की पुलिस से कराई जाए, जो गैर भाजपा सरकार की हो। गिरफ्तारी को लेकर कहा कि गिरफ्तारी के लिए पुलिस के पास कोई साक्ष्य नहीं है।

क्योंकि इसके सभी आरोप झूठे हैं। कहा कि माघ मेले में तमाम सीसीटीवी लगे थे। उसकी जांच की जाए। कैमरा के जद में सब कुछ होगा, जो भी घटनाएं हुई होगी, वह प्रकाश में आ जाएगा। शकराचार्य पर प्रयागराज माघ मेले में यौन शोषण के आरोप में वहां की पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में प्राथमिकी दर्ज की है। इस मामले में प्रयागराज पुलिस के वाराणसी पहुंचने को लेकर सोमवार को सुबह से ही केदारघाट स्थित श्रीमठ में गहमागहमी रही। उनकी गिरफ्तारी को लेकर चर्चाएं गर्म रही। हालांकि पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभी प्रयागराज पुलिस के आने खबर है, लेकिन अभी आई नहीं है। कहा कि गिरफ्तारी का प्रश्न नहीं बनता है लेकिन गिरफ्तारी होगी तो उसके लिए भी तैयार हूं। गिरफ्तारी जो घटना हुई है उसका एविडेंस सुरक्षित रखने के दृष्टि से हो सकती है। लेकिन शिकायतकर्ता की ओर से इतने दिन बिता दिए गए हैं, हम कहीं भागे नहीं जा रहे हैं। ?इसलिए गिरफ्तारी का प्रश्न नहीं है। उसके बाद भी गिरफ्तारी होती है तो कालनेमि चाहता है कि समाज के सामने हमे दोषी सिद्ध किया जाए। कहा कि पुलिस का पूरा सहयोग करूंगा। पुलिस का कोई विरोध नहीं करेंगे। शंकराचार्य ने कालनेमि कहकर उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा।

डिजिटल गवर्नेंस को गति देने के लिए लखनऊ में AI GovTech मूवमेंट सेंटर की शुरुआत की उत्तर प्रदेश

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। IBM (NYSE: IBM) ने आज लखनऊ में अपने AI GovTech मूवमेंट सेंटर का उद्घाटन किया। इस पहल का उद्देश्य आधुनिक शासन प्रक्रिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को मजबूत आधार के रूप में विकसित करना और उसके माध्यम से ठोस परिणाम प्राप्त करना है। उत्तर प्रदेश की सरकारें आज के समय में बढ़ती जा रही नागरिक आयामों, जटिल नियमों और तेजी से बढ़ते डेटा की चुनौतियों का सामना कर रही हैं। ऐसे में एआई सार्वजनिक सेवाओं की गुणवत्ता और विस्थापन बढ़ाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण बनता जा रहा है। यह सेंटर एक साझा मंच के रूप में काम करेगा, जहां भरोसेमंद एआई समाधान तैयार किए जाएंगे, उनकी जांच की जाएगी और उन्हें बड़े स्तर पर लागू किया जाएगा, ताकि प्रशासन अधिक प्रभावी और अनियमित बने। इस सेंटर का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने किया। इस अवसर पर छँ के डिपार्टमेंट, प्रेसिडेंट और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरविंद कृष्णा तथा छँ इंडिया एवं साउथ एशिया के मैनेज डायरेक्टर संदीप पटेल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के डायरेक्टर, प्रोफेसर मनिंद्र अग्रवाल, और उत्तर प्रदेश सरकार व छँ के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। छँ के डिपार्टमेंट, प्रेसिडेंट और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरविंद कृष्णा ने कहा, 'ँद आईआईटी की क्षमता और आर्थिक प्रतिस्पर्धा को नई दिशा देगा। भारत सहित दुनिया भर में सरकारें अब एआई को प्रयोग के स्तर से आगे बढ़ाकर उसे लागू करने की दिशा में तेजी से कदम उठा रही हैं। जिम्मेदार एआई को प्रस्तुति के मामले में इस तरह खुलापन उत्साहप्रेरक है।' उन्होंने आगे कहा, 'यह लखनऊ केंद्र, एआई के क्षेत्र में छँ के वैश्विक अनुभव और स्थानीय प्रतिभा व अकादमी विद्वानों की मजबूत उपस्थिति को एक मंच पर लाता है। यह हमें एआई के लक्ष्यों को वास्तविक और मापनीय परिणामों में बदलने में मदद करेगा।' कार्यक्रम के दौरान छँ ने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ दो समझौते ज्ञापनों (श्दळ) पर हस्ताक्षर किए, जिससे राज्य के विकास के दीर्घकालीन लक्ष्यों को एआई आधारित प्रशासन से जोड़ सकें। - आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के साथ मिलकर यह सेंटर विभिन्न भाषाओं में एआई आधारित उपयोगों को विकसित करेगा और भिन्न-भिन्न भाषाओं में डिजिटल र्ँद क्षमता को मजबूत करेगा। - स्कूल शिक्षा निदेशालय के साथ मिलकर कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों और शिक्षकों के लिए ँद साक्षरता कार्यक्रम शुरू किया जाएगा, जिससे आधारभूत जानकारी और समेकित भविष्य की जानकारी के लिए जरूरी व्यावहारिक अनुभव व कौशल्य मिल सके। लखनऊ स्थित छँ परिसर में एक सॉफ्टवेयर लैब भी है, जो कंपनी के वैश्विक सॉफ्टवेयर उत्पादों में योगदान देती है। इस परिसर में छँ कंसल्टिंग का इलेन्दै सेंटर भी है, जहां से क्षेत्रीय प्रतिभाएं दुनिया भर के ग्राहकों के लिए महत्वपूर्ण अवसर संचालित करती हैं।

उत्तर मध्य रेलवे

ई–निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता/समन्वय/उत्तर मध्य रेलवे / प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई–निविदा निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 18.03.2026 को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा नं.:– पीआरवाईजे– सिग–048–2025–26

कार्य का विवरणः– लिंकजंक्शन – मानिकपुर और चुनार–चोपन खंडो सहित पं०डीडीयू प्रेमपुर (पीएमपीआर) खंड के लिए दो वर्षों का अनुमानीय दूरसंचार रखरखाव अनुबंध ।

अनुमानित मूल्य (₹):– 1,17,32,478/–	बिड सिक्योरिटी (₹):– 2,08,700/–
निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹):– 0/–	कार्य समापन की अवधिः– 24 माह

निविदा बन्द होने की तिथिः– 18.03.2026

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धताः– निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि से 21 दिन पहले उपलब्ध हो जायेंगे।

बयाने की राशि जमा करना एवं उसका रूपः– निविदाओं को उपरोक्त बिड सिक्योरीटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदा दाता बिड सिक्योरीटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा। यदि निविदादाता द्वारा जमा की गयी बिड सिक्योरीटी बैंक गारंटी के रूप में है तो यह उचित स्टांप शुल्क के अनुसार होना चाहिये। बैंक गारंटी जमा करते समय यह उ०प्र० स्टांप अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समय–समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिये। बिना बिड सिक्योरिटी वाली निविदायें खारिज कर दी जायेंगी।

निविदा खुलने का समय, तिथि तथा स्थानः– निविदा पूर्व निर्धारित तिथि को 12.30 बजे या उसके बाद ई–निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी।

निविदा की वैधताः– निविदा खुलने के 60 दिन तक

निविदा डीलिंग हेतु रेलवे के अधिकारः– रेलवे प्रशासन का किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित / संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।

उसी प्रकृति के कार्य के लिए न्यूनतमः– एक्जीक्यूशन आफ ऐनी टेलीकाम वर्क । 408/26(D)

North central railways @ CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा नई सरकार की हो प्राथमिकता : शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद

बांग्लादेश के सवा करोड़ हिंदुओं का हित हमारे लिए सर्वोपरि

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज / मथुरा । पुरी गोवर्धन पीठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देव तीर्थ जी महाराज आज प्रयागराज में थे। वह चित्रकूट के मडफा फोर्ट के पास निर्माणाधीन आश्रम में चल रहे 11 दिवसीय महायज्ञ और विशाल भण्डारा संपन्न होने के बाद मथुरा के गोवर्धन स्थित आश्रम जा रहे थे। इस दौरान बडी संख्या में शिष्यों ने स्वागत और अभिनंदन कर आशीर्वाद लिया।

पुरी गोवर्धन पीठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देव तीर्थ जी महाराज ने बांग्लादेश के ताजा घटनाक्रम और वहां रह रहे अल्पसंख्यक हिन्दुओं की स्थिति पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति से लेकर धार्मिक पदों की गरिमा तक पर अपनी बेबाक राय रखी।

शंकराचार्य ने ऐतिहासिक संदर्भों का हवाला देते हुए कहा कि आध्यात्मिक दृष्टि से बांग्लादेश गोवर्धन मठ के विशेष संरक्षित क्षेत्र के अंतर्गत आता है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के सवा करोड़ हिंदुओं का हित हमारे लिए सर्वोपरि है। राजनीतिक उथल-पुथल के बीच सनातनी समाज ने जिस साहस के साथ अपने मठ-मंदिरों की रक्षा की, वह वंदनीय है। उन्होंने तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की नई सरकार को बधाई देते हुए आह्वान किया कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और विकास के लिए सरकार को संवेदनशीलता दिखानी होगी।

ज्योतिर्मठ विवाद पर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देव तीर्थ महाराज ने कहा कि अदालत के फैसले का करें सम्मान उन्होंने कहा कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से जुड़े हालिया विवाद और शंकराचार्य पद की वैधता पर उन्होंने कड़ा रुख अपनाया। स्वामी अधोक्षजानंद ने दो टूक कहा कि ज्योतिर्मठ का मामला वर्तमान में उच्चतम न्यायालय के विचाराधीन है। उन्होंने स्पष्ट किया, 'कि जब तक न्यायालय का अंतिम फैसला नहीं आता, तब तक किसी भी व्यक्ति को शंकराचार्य पद का दावा नहीं करना चाहिए।' उन्होंने संतों पर लग रहे आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि ऐसे विवादों से 'भगवा' और संत परंपरा की गरिमा को ठेस पहुंचती है।

वैश्विक शांति पर चर्चा करते हुए शंकराचार्य ने तालिबान शासन पर एक चौंकाने वाला विश्लेषण दिया। उन्होंने कहा कि मुल्ला उमर के दौर की तुलना में वर्तमान तालबिान सरकार के व्यवहार में सुधार और बदलाव दिखा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यदि वहां अंतरराष्ट्रीय कानून और वैश्विक व्यवस्थाएं पूरी तरह लागू होती हैं, तो क्षेत्र में स्थिरता और शांति का माहौल बनेगा।

संत गाडगे बाबा की 150 जयंती धूमधाम से मनायी गयी

संत गाडगे बाबा को दिया जाये भारत रत्न : अनन्त कुमार

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। संत गाडगे बाबा की 150 जयंती समारोह नया पुरवा, स्टेनली रोड में आज केक काटकर धूमधाम से मनाई गई।

कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी अनन्त कुमार चौधरी ने कहा कि सन्त गाडगे जी को भारत रत्न मिलना चाहिए। उन्होंने समाज सेवा से देश को एक नयी दिशा दी है, केंद्र सरकार से अनुरोध है कि संत गाडगे बाबा ने अपना पूरा जीवन समाज में व्याप्त अज्ञानता, अंधविश्वास, भोली-भाली मान्यताओं, अवांछित रीति - रिवाजों और परंपराओं को दूर करने के लिए समर्पित कर दिया था । इसके लिए उन्होंने कीर्तन का मार्ग अपनाया। अपने कीर्तन में वह श्रोताओं को उनके अज्ञान, दोषों और दोषों से अवगत कराने के लिए विभिन्न प्रश्न पूछते थे। उनके उपदेश भी सरल और सहज होते थे। अपने कीर्तन में वह कहा करते थे कि चोरी मत करो, साहूकारों से कर्ज मत लो, व्यसनों में लिप्त मत हो, भगवान और धर्म के नाम पर

जानवरों को मत मारो, जातिगत भेदभाव और छुआछूत का पालन मत करो। उन्होंने आम लोगों के मन में यह बात बैठाने की कोशिश की कि भगवान पत्थर में नहीं बल्कि इंसानों में हैं। वह संत तुकाराम महाराज को अपना गुरु मानते थे। उन्होंने हमेशा कहा कि 'मैं किसी का गुरु नहीं हूं, मेरा कोई शिष्य नहीं है'। अपने विचारों को सरल और भोले-भाले लोगों तक पहुँचाने के लिए वे ग्रामीण भाषा (मुख्य रूप से वरहाड़ी बोली) का प्रयोग करते थे। गाडगे बाबा ने भी समय-समय पर संत तुकाराम के सटीक अभंगों का भरपूर उपयोग किया। गाडगे बाबा भोले-भाले से लेकर नास्तिक तक सभी उम्र के लोगों को आसानी से अपने कीर्तन में शामिल कर लेते हैं और उन्हें अपने दर्शन का विश्वास दिलाते हैं। बाबा के जीवनीकार प्रबोधंकर ठाकरे ने कहा कि उनके कीर्तन का लघुचित्र बनाना मेरी शक्ति से परे है, अगर कोई मुसीबत में था तो उसकी मदद के लिए दौड़ना, उसकी मदद करना और बिना किसी परिणाम की उम्मीद किए अपने रास्ते पर जाना उसका पैटर्न था। वह हमेशा अपने साथ एक कौवा रखते थे।

वह फटे-पुराने कपड़े पहने और हाथ में टूटी बंदूक थी इसीलिए लोग उन्हें 'गाडगे बाबा' कहने लगे। वह जिस गाँव में जाते थे झाड़ू-पोंछा करते थे। सार्वजनिक स्वच्छता के सिद्धांतों को मन में बिठाने और समाज में अंधविश्वास को खत्म करने के लिए वे खुद भी लगातार सक्रिय रहे और भरसक प्रयास किया। इस दौरान वरिष्ठ समाजसेवी अनंत कुमार चौधरी, शंभू शाहू, आनंद कुमार सिंह, विकास यादव, संदीप चौधरी, दीपक यादव, अरूण चौधरी, राम शेखर सहित अन्य ने विचार व्यक्त किया।

नकल कराते मिले शिक्षक पर दर्ज कराई गई रिपोर्ट

5648 विद्यार्थियों ने अंग्रेजी का पेपर छोड़ा, 333 केंद्रों पर हुई परीक्षा

कड़ेदीन सिंह स्मारक इंटर कालेज के केंद्र व्यवस्थापक पर भी एफआइआर

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की परीक्षा में सोमवार को प्रयागराज जिले के दूसरी पाली की परीक्षा में कड़ेदीन सिंह स्मारक इंटर कालेज मदारी, मऊआइमा में उड़ाकादल ने नकल का मामला पकड़ा। नकल कराने के आरोप में कक्ष निरीक्षक वेद व्यास मिश्र को हिरासत में लेते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई गई। उनके पास से प्रश्नों के उत्तर लिखे कुछ पन्ने मिले। उन पर गणित और जीव विज्ञान की परीक्षा देने वाले परीक्षार्थियों को नकल कराने का आरोप है। केंद्र व्यवस्थापक बृजराज के खिलाफ भी रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस को वाह्य केंद्र व्यवस्थापक सुचित शर्मा की ओर से तहरीर दी गई है। जिला विद्यालय निरीक्षक पीएन सिंह की ओर से यह जानकारी दी गई कि अन्य केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से हुई। जिला विद्यालय निरीक्षक पीएन सिंह ने बताया कि पहली पाली में हाईस्कूल की अंग्रेजी विषय की परीक्षा हुई। 87236 विद्यार्थी पंजीकृत थे लेकिन 81588 ने परीक्षा दी और 5648 ने पेपर छोड दिया। इसी पाली में इंटर मीडिएट की फल एवं खाद्य संरक्षण, पाक शास्त्र, परिधान रचना एवं सज्जा, धुलाई

तथा रंगाई, बोकिंग तथा कन्फेक्शनरी, टेक्सटाइल डिजाइन, बुनाई तकनीक, नर्सरी शिक्षण का प्रशिक्षण एवं शिशु प्रबंधन जैसे विषयों की परीक्षा हुई। इसके लिए 546 विद्यार्थी पंजीकृत थे जबकि 528 ने परीक्षा में हिस्सा लिया। 18 विद्यार्थी परीक्षा देने के लिए नहीं पहुंचे। जिला विद्यालय निरीक्षक पीएन सिंह ने बताया कि आज की दूसरी पाली में इंटरमीडिएट की जीव विज्ञान और गणित विषय की परीक्षा कराई गई। 73669 छात्र छात्राओं का पंजीकरण था लेकिन परीक्षा 69079 विद्यार्थी ही परीक्षा देने के लिए आए। 4590 छात्रों ने पेपर छोड़ दिया। कुल सात सचल दल सक्रिय रहे। दूसरी पाली में 330 केंद्रों पर ही परीक्षा हुई जबकि पहली पाली में सभी 333 केंद्रों पर परीक्षा कराई गई।

अन्यायपूर्ण टेट अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य किया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले प्रदेश के अग्रणी मान्यता प्राप्त शिक्षक संगठनों ने आंदोलन के दूसरे चरण में अपने बांहों पर काली पट्टी बांध कर शिक्षण कार्य किया। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ, उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ और उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ ने संयुक्त रूप से इस चरणबद्ध आंदोलन में भागीदारी कर रहे हैं।ध्यातव्य है कि टेट लागू होने के पूर्व के शिक्षक सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले से प्रभावित हो रहे हैं।प्रभावित केंद्र सरकार से अध्यादेश के माध्यम से टेट लागू होने के पहले नियुक्त शिक्षकों को इससे छूट देने की मांग कर रहे हैं। उच्च प्राथमिक विद्यालय सुजौना जसरा-प्रयागराज के शिक्षकों श्यामाकांत द्विवेदी, भारतेन्द्र त्रिपाठी, नाज़िया सुल्ताना, जितेन्द्र कुमार शर्मा, आशीष कुमार गुप्ता, शरद कुमार, पूनम तिवारी ने इस आंदोलन में शामिल होकर इस अव्यावहारिक कानून को निरस्त करने की मांग किया है।

गंगा ऋषिकुलम स्कूल का 11वां वार्षिकोत्सव भव्यता के साथ संपन्न

बच्चे देश के भविष्य उप कमांडेंट श्रीनिवास

मंत्र भारत संवाददाता

फाफामऊ (प्रयागराज)। गंगा ऋषिकुलम स्कूल का 11वां वार्षिकोत्सव सोमवार को राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के सभागार में भव्यता और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। सुसज्जित मंच, आकर्षक प्रकाश व्यवस्था और छात्रों की मनोहारी प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप कमांडेंट श्रीनिवास (सीआरपीएफ, पंडिला) ने अपने ओजस्वी संबोधन में कहा कि शिक्षा केवल परीक्षा उत्तीर्ण करने का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि संस्कार, अनुशासन और समर्पण से युक्त शिक्षा ही बच्चों को जीवन की चुनौतियों का सामना करने योग्य बनाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम करने की प्रेरणा दी और अभिभावकों से भी बच्चों में नैतिक मूल्यों के संवर्धन पर बल देने का आह्वान किया।विशिष्ट अतिथि हर्षवर्धन बाजपेई (विधायक, शहर उत्तरी) ने विद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि मजबूत शिक्षा व्यवस्था से ही सशक्त समाज का निर्माण संभव

है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों के प्रयासों की प्रशंसा की तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को समय की आवश्यकता बताया वार्षिकोत्सव में छात्रों ने नृत्य, गीत और नाट्य प्रस्तुतियों से दर्शकों की भरपूर सराहना बटोरी। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के निदेशक मत्स्येंद्र द्विवेदी एवं प्रधानाचार्या प्रतिभा त्रिपाठी ने अतिथियों, अभिभावकों और उपस्थित जनसमूह के प्रति आभार व्यक्त किया। इस मौके पर सुरेश चंद्र त्रिपाठी विधायक प्रतिनिधि अरुण शुक्ला मुकेश शुक्ला शिक्षिका वीना मीना सुप्रिया गीता पूजा सुप्रिया सहित विद्यालय के समस्त शिक्षण स्टाफ व बड़ी संख्या में अभिभावक मौजूद रहे।

सीएम योगी एवं मंत्री नन्दी का सिंगापुर दौरा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने सिंगापुर में कौशल विकास एवं प्रशिक्षण विषयक विस्तृत प्रस्तुति का अवलोकन किया एवं कॉलेज के अत्याधुनिक प्रशिक्षण परिसरों का भ्रमण किया।

इस अवसर पर तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा, एविएशन स्किल्स एवं उद्योग-संरेखित प्रशिक्षण के क्षेत्र में पारस्परिक सहयोग को सुदृढ़ बनाने हेतु महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (श्दढे) पर हस्ताक्षर संपन्न हुए। यह पहल उत्तर प्रदेश में तीव्र गति से विकसित हो रहे आधारभूत ढांचे एवं रोजगार पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त समर्थन प्रदान करेगी।

इस दौरान इन समझौतों को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाते हुए उनके शीघ्र एवं सफल क्रियान्वयन का आश्वासन दिया गया।

इसके उपरांत परिसर एवं एविएशन हब की अत्याधुनिक सुविधाओं का अवलोकन कर उद्योग-एकीकृत कौशल विकास के उन्नत एवं व्यवहारिक मॉडलों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

सिंगापुर दौरे के पहले दिन यूनिवर्सल सक्सेस ग्रुप के साथ हुए 6, 650 करोड़ रुपये के 3 एमओयू

जेवर एयरपोर्ट क्षेत्र, कानपुर-लखनऊ हाईवे और नोएडा/ग्रेटर नोएडा में विकसित होंगी महत्वाकांक्षी परियोजनाएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सिंगापुर दौरे के पहले ही दिन उत्तर प्रदेश सरकार को बड़ी सफलता मिली है। यूनिवर्सल सक्सेस ग्रुप ने प्रदेश में कुल 6, 650 करोड़ रुपये के निवेश के लिए तीन महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। ये निवेश ग्रुप हाउसिंग, लॉजिस्टिक्स और हाइपरस्केल डेटा सेंटर जैसे

रणनीतिक क्षेत्रों में होंगे। इन तीनों परियोजनाओं से 20 हजार से अधिक रोजगार भी सृजित होंगे।

सिंगापुर दौरे के पहले दिन हुए ये तीन एमओयू प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने, शहरी विकास को नई दिशा देने और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माने जा रहे हैं।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में जेवर एयरपोर्ट के करीब 100 एकड़ भूमि पर अंतरराष्ट्रीय थीम आधारित टाउनशिप विकसित की जाएगी। इस परियोजना में 3, 500 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है और इसके धरातल पर उतरने के साथ ही लगभग 12, 000 लोगों को रोजगार मिलेगा। इस परियोजना को 2027 में शुरू किए जाने की योजना है। यह परियोजना जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आसपास तेजी से विकसित हो रहे शहरी क्षेत्र को नई पहचान देगी। दूसरी परियोजना कानपुर-लखनऊ हाईवे पर 50 एकड़ भूमि में लॉजिस्टिक्स पार्क के विकास से संबंधित है। इस परियोजना में 650 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है और लगभग 7, 500 रोजगार सृजित होने का अनुमान है। इसको भी 2027 में शुरू किए जाने की योजना है।

तीसरी परियोजना के तहत नोएडा/ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में 10 एकड़ भूमि पर 40 मेगावाट आईटी पावर क्षमता वाला हाइपरस्केल डेटा सेंटर पार्क स्थापित किया जाएगा। इस परियोजना में 2, 500 करोड़ रुपये का निवेश होगा और लगभग 1, 500 लोगों को रोजगार मिलेगा। एमओयू के अनुसार प्रोजेक्ट को वर्ष 2028 में शुरू करने की योजना है। यह निवेश उत्तर प्रदेश को देश के अग्रणी डेटा सेंटर हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

फिज़िक्सवाला के 15 छात्रों ने जेईई मेन 2026 (सेशन 1) में 98.5 फीसदी पर्सेंटाइल हासिल की

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज निवासी कार्तिकेय कुमार श्रीवास्तव ने जेईई मेन 2026 सेशन 1 परीक्षा में 99.52 पर्सेंटाइल प्राप्त की। वे प्रयागराज में फिज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) के उन 15 छात्रों में शामिल हैं, जिन्होंने

इस सेशन में 98.5 या उससे अधिक पर्सेंटाइल हासिल की। शहर के अन्य उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पीडब्ल्यू छात्रों में अखिल कुमार तिवारी (99.52 पर्सेंटाइल) और युग सिंह (99.49 पर्सेंटाइल) भी शामिल हैं।

हस्तशिल्पियों को उन्नत टूल का वितरण हेतु लाभार्थी करें आवेदन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। कार्यालय विकास आयुक्त हस्तशिल्प वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से प्रोड्यूसर कंपनी पांडिला टेराकोटा हैंडीक्राफ्ट प्रोड्यूसर कंपनी द्वारा टेराकोटा क्लस्टर के विकास हेतु स्वीकृत परियोजना के अंतर्गत उन्नत अल का वितरण वैशाली गेस्ट हाउस फाफामऊ प्रयागराज में किया गया इस अवसर पर श्री विशाल वर्मा हस्तशिल्प विपणन अधिकारी मौजूद रहे कंपनी के निदेशक द्वारा बताया गया कि कार्यालय विकास आयुक्त भारत सरकार के सहयोग से हमने मंडल टेराकोटा हैंडीक्राफ्ट प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड बनाया है जिसमें पांच निदेशक एवं अन्य 10 सदस्य हैं इस कंपनी के सहयोग से इससे पूर्व डिजाइन डेवलपमेंट परियोजना उद्यमिता विकास कार्यक्रम का संचालन टेराकोटा हासिल पो हेतु किया गया है।

जिसमें 100 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है इसी क्रम में हम आज प्रोड्यूसर कंपनी से जुड़े हुए हस्तशिल्पियों को आज उन्नत टूल का वितरण करने जा रहे हैं श्री विशाल वर्मा द्वारा बताया गया कि उन्नत टोल वितरण का उद्देश्य आपकी क्षमता वर्धन के साथ-साथ उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार लाना भी है आप सभी इलेक्ट्रिक चाक के माध्यम से अपने उत्पादन की गुणवत्ता उत्पादकता में सुधार लाएंगे जिससे निश्चित रूप से आपकी कंपनी एवं आपकी आय में वृद्धि होगी वर्तमान में हस्तशिल्पियों हेतु पुरस्कार का आवेदन चल रहा है इसमें से जो दक्ष हस्तशिल्प हैं वे ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं जिसमें वह कार्यालय अथवा अपनी कंपनी का सहयोग प्राप्त कर सकते हैं आज के दिन प्रोड्यूसर कंपनी से जुड़े हुए 100 हस्तशिल्पियों को उन्नत टूल का वितरण किया जाएगा टूल वितरण के दौरान प्रोड्यूसर कंपनी के निदेशक श्री हिमांशु सिंह अनिल प्रजापति एवं एवं प्रोड्यूसर कंपनी से जुड़े हुए सदस्य एवं अन्य निदेशक उपस्थित रहे

एक हार से फंस गई टीम इंडिया, अब 2 मैच जीतकर भी सेमीफाइनल की सीट नहीं कन्फर्म, समझें पूरा समीकरण

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप स्टेज में अजेय रहने वाली भारतीय टीम को सुपर-8 के अपने पहले ही मुकाबले में साउथ अफ्रीका के हाथों करारी शिकस्त झेलनी पड़ी है. अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम मंल खेले गए इस मैच में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टीम एडेन मार्करम की प्रोटियाज टीम के सामने हर विभाग में उन्नीस साबित हुई. इस हार ने न केवल भारत के विजय रथ को रोका है, बल्कि उनके सेमीफाइनल के दावों पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. अब बाकी बचे दो मैच टीम इंडिया के लिए करो या मरो वाले हो गए हैं. इसके अलावा नेट रनरेट का भारी दबाव भी झेलना पड़ेगा.

दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए डेविड मिलर (63) के अर्धशतक की मदद से 187 रन बनाए, जिसके जवाब में भारतीय टीम महज 111 रनों पर सिमट गई. भारत 76 रन से मैच हार गया. इस भारी अंतर से मिली हार का सबसे बुरा असर भारत के नेट रन रेट (-) पर पड़ा है, जो गिरकर अब -3.800 हो गया है. ग्रुप-ए की पॉइंट्स टेबल में भारत अब सबसे निचले पायदान पर है, जबकि दक्षिण अफ्रीका शीर्ष पर पहुंच गया है. विशेषज्ञों का मानना है कि भारत ने इस मैच में बहुत ज्यादा गलती की है, क्योंकि इतनी बड़ी हार से उबरना किसी भी टीम के लिए बेहद मुश्किल होता है. टूर्नामेंट के इस चरण में जहां शीर्ष दो टीमें ही आगे बढ़ेंगी, वहां इतना खराब नेट रनरेट भारत के लिए घातक साबित हो सकता है. भारत का सेमीफाइनल समीकरण अब पूरी तरह से उनके अपने हाथ में नहीं रहा है. यदि भारत अपने अगले दो मैचों में वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे को हरा भी देता है, तो उसके 4 अंक होंगे. यदि साउथ अफ्रीका या वेस्टइंडीज में से कोई और टीम भी 4 अंकों तक पहुंच जाती है, तो फैसला नेट रन रेट पर होगा. भारत का नेट रनरेट फिलहाल इतना कम है कि वह तीन टीमों के बीच होने वाले 'टाई' में पिछड़ सकता है. अब भारत को न केवल जीतना होगा।

हार्पिक ने नया हार्पिक बाथरूम अल्ट्रा क्लीनर लॉन्च किया

रोहित शेट्टी का ब्रांड एंबेसडर के रूप में स्वागत

वाराणसी। हार्पिक, जो भारत का नंबर 1 टॉयलेट और बाथरूम क्लीनर है और 100 मिलियन से अधिक घरों द्वारा भरोसेमंद होम हाइजीन सॉल्यूशंस का अग्रणी ब्रांड है, ने अपने अब तक के सबसे उन्नत बाथरूम क्लीनिंग इनोवेशन न्यू हार्पिक बाथरूम अल्ट्रा क्लीनर के लॉन्च की घोषणा की।

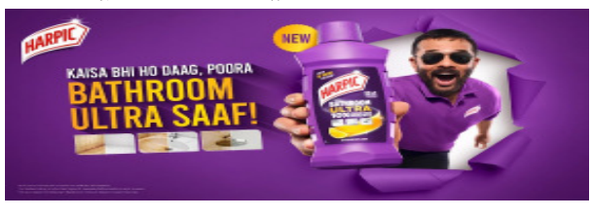

जाने अनजाने हम मिले में रहस्यमयी अंदाज़ में लौटीं जयती भाटिया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। ज़ी टीवी का शो जाने अनजाने हम मिले, जिसमें भरत अहलावत (राघव) और आयुषी खुराना (रीत) नजर आ रहे हैं, अब कहानी में एक बड़ा और चौंकाने वाला मोड़ लेकर आ रहा है। जानी-मानी एक्ट्रेस जयती भाटिया की दमदार वापसी के साथ शो में ड्रामा और सस्पेंस दोनों और बढ़ने वाले हैं। आगे क्या होगा, जानने के लिए देखते रहिए 'जाने अनजाने हम मिले', रोज रात 10:30 बजे, सिर्फ ज़ी टीवी पर।

सम्पादकीय

आधी आबादी का हक, न्यायिक व्याख्या और नारी गरिमा का प्रश्न

महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों की सुनवाई और फैसले की दिशा इस बात पर निर्भर करती है कि न्यायालय में पीड़िता के पक्ष पर कितनी संजीदगी के साथ गौर किया गया। खासतौर पर हमारे देश में बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों के मामले में न केवल इस अपराध की प्रकृति, बल्कि उसका पीड़िता के मन-मस्तिष्क पर पड़ने वाले प्रभावों को ध्यान में रखते हुए बेहद संवेदनशील रुख अपनाने की जरूरत होती है, लेकिन कई बार इन तकाजों को प्राथमिक नहीं माना जाता।

मगर अब सर्वोच्च न्यायालय ने इस संदर्भ में एक जरूरी मानक सामने रखा है कि निचली अदालतों में बलात्कार के मामलों पर सुनवाई करते हुए कितना संवेदनशील होने की जरूरत है! गौरतलब है कि पिछले वर्ष मार्च में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपने फैसले में एक नाबालिग लड़की पर यौन इरादे से शारीरिक बलप्रयोग को बलात्कार के प्रयास का अपराध नहीं माना और आरोपों को हल्का करार दिया। उस समय भी अदालत के रुख और उसकी टिप्पणियों पर तीखे सवाल उठे थे।

अब सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, उससे एक बार फिर महिलाओं की गरिमा और अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायिक व्यवस्था के प्रति भरोसा मजबूत हुआ है। दरअसल, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने संबंधित मामले में बलात्कार से संबंधित कानून के प्रावधानों की विचित्र व्याख्या करके आरोपियों के प्रति जिस तरह नरम रुख अख्तियार किया था, वह अपने आप में न्याय की प्रक्रिया पर एक गंभीर सवाल था।

खासतौर पर एक नाबालिग लड़की पर तीन युवकों के शारीरिक बलप्रयोग, बदतमीजी और उसकी गरिमा को चोट पहुंचाने की जिस स्तर पर अनदेखी की गई और आरोप की गंभीरता को कम किया गया, उस पर खुद सुप्रीम कोर्ट ने भी गहरी नाराजगी जताई थी। बीते वर्ष 25 मार्च को शीर्ष अदालत की पीठ ने साफ शब्दों में कहा था कि यह फैसला पूरी तरह से असंवेदनशील और अमानवीय नजरिए को दिखाता है, इसलिए इस पर रोक जरूरी है। अब उसी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट को फटकार लगाई और उसके विवादित फैसले को पलटते हुए नाबालिग लड़की से की गई हरकत को 'बलात्कार का प्रयास' करार दिया।

अब यह मुकदमा गंभीर अपराध और पाक्सो अधिनियम के सख्त प्रावधानों के तहत चलेगा। निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट का यह रुख महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराधों की रोकथाम और खासतौर पर अदालतों में बलात्कार जैसे गंभीर अपराध की सुनवाई के क्रम में कभी-कभार बरती जाने वाली असंवेदनशीलता के मद्देनजर बेहद अहम है। सवाल है कि ऐसे मामलों में कानूनी प्रावधानों की व्याख्या करते हुए अपराध की प्रकृति, पीड़िता की स्थिति और सामाजिक हकीकतों को ध्यान में रखना जरूरी क्यों नहीं समझा जाता!

जब भी अदालतों की ओर से ऐसे मामलों में जरूरी संवेदनशीलता के तकाजों की अनदेखी की जाती है, तब यौन अपराधों के विरुद्ध महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के प्रयास कमजोर होते हैं। शायद इन्हीं वजहों से सुप्रीम कोर्ट ने अब यौन अपराधों और अन्य संवेदनशील मामलों के संदर्भ में न्यायाधीशों के दृष्टिकोण और न्यायिक प्रक्रिया में संवेदनशीलता तथा करुणा पैदा करने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी को एक समिति गठित करने को कहा है।

यह इसलिए भी जरूरी पहल है कि न्याय की उम्मीद तभी पूरी हो सकती है, जब न्यायाधीशों के भीतर पीड़ित की वास्तविक स्थितियों के प्रति जरूरी संवेदनशीलता, करुणा और समझ की भावना हो।

घर से लेकर कार्यस्थल तक और यहां तक कि सार्वजनिक जगहों पर भी कुछ लोग स्त्रियों की गरिमा और आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने से बाज नहीं आते। नैतिक और सामाजिक मूल्यों की इस गंभीर क्षति को रोकने का प्रयास कम ही दिखता है। मगर पिछले दिनों दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित संगीत कार्यक्रम में महिलाओं को परेशान किए जाने की घटना को पंजाबी गायिका जैस्मीन सैंडलस ने गंभीरता से लिया।

विदेश गए बच्चे, अकेले रह गए माता-पिता उपेक्षा पर सख्त हुई संसद, बनेगा कड़ा कानून

भारतीय समाज में परिवार की संरचना और मूल्यों का आधार माता-पिता की देखभाल एवं सम्मान रहा है। मगर आधुनिक समय में वैश्वीकरण, बेहतर शिक्षा और अच्छे रोजगार के लिए युवा विदेश या बड़े शहरों में जाकर बस रहे हैं। यह प्रवास अक्सर परिवारों में आर्थिक उन्नति तो लाता है, लेकिन कई मामलों में बुजुर्ग माता-पिता अकेले पड़ जाते हैं। देखभाल और भावनात्मक समर्थन का अभाव तथा अकेलेपन से बुजुर्गों की मानसिक एवं शारीरिक स्थिति दयनीय हो जाती है। हाल ही में बजट सत्र के दौरान राज्यसभा में इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया गया और विदेश जाने वाले युवाओं के लिए माता-पिता की देखभाल सुनिश्चित करने वाले सख्त नियमों की मांग की गई। सुझाव दिया गया कि विदेश जाने से पहले युवाओं से एक हलफनामा लिया जाए, जिसमें वे अपनी आय का एक निश्चित हिस्सा माता-पिता की देखभाल के लिए देने का वादा करें।

साथ ही हर छह महीने में माता-पिता से 'संतुष्टि प्रमाण पत्र' प्राप्त करना अनिवार्य हो, जिसमें बुजुर्ग पुष्टि करें कि उनकी देखभाल सही तरीके से हो रही है, उनके बच्चे नियमित संपर्क में हैं और आवश्यक सहायता मिल रही है। यदि ऐसा प्रमाण पत्र नहीं मिलता या शिकायत आती है, तो ऐसे युवाओं का पासपोर्ट रद्द किया जाए और उन्हें भारत वापस बुलाया जाए। इसके अलावा यह सलाह भी दी गई कि कम से कम सप्ताह में एक बार फोन पर माता-पिता का हालचाल पूछना भी बाध्यकारी होना चाहिए।

संसद में दिए गए ये सुझाव इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि पिछले वर्ष पांच सौ से अधिक ऐसे

मामले सामने आए, जहां विदेश में बसे बच्चों की ओर से उपेक्षा के कारण माता-पिता की हालत बहुत खराब हो गई या उनकी मृत्यु हो गई और बच्चे अंतिम संस्कार के लिए भी नहीं लौटे। यह मुद्दा केवल भावनात्मक नहीं है, बल्कि सामाजिक और कानूनी दृष्टि से भी गंभीर है। भारत में पहले से ही 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम- 2007' लागू है, जो युवाओं को माता-पिता की आर्थिक और भावनात्मक देखभाल के लिए जिम्मेदार बनाता है।

इस कानून के तहत बुजुर्ग न्यायाधिकरण में शिकायत कर सकते हैं और अपने बच्चों से मासिक भरण-पोषण की सहूलियत प्राप्त कर सकते हैं, जिसमें संपत्ति हस्तांतरण रद्द करने की शक्ति भी शामिल है। मगर अफसोसनाक है कि सख्त कानूनी प्रावधानों के बावजूद बुजर्गों की देखभाल और सुरक्षा पूरी तरह सुनिश्चित नहीं हो पा रही है, जिस कारण बड़ी संख्या में बुजुर्ग वृद्धाश्रम में शरण लेने को मजबूर हो रहे हैं, जबकि कई माता-पिता के बच्चे भारतीय शहरों में ही रह रहे हैं।

दूसरा, यह कानून विदेश में बसे युवाओं (एनआरआइ) पर प्रभावी ढंग से लागू नहीं हो पाता, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय क्षेत्राधिकार, प्रवर्तन की कमी और संपर्क की दूरी जैसी समस्याएं आड़े आती हैं। कई एनआरआइ युवा भारत में संपत्ति या बैंक खाते रखते हैं, लेकिन माता-पिता की देखभाल की जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लेते हैं। संसद में पेश किया गया प्रस्ताव इसी कमी को दूर करने के प्रयास से जुड़ा है, जहां विदेश मंत्रालय और पासपोर्ट प्राधिकरण के माध्यम से यात्रा तथा नागरिकता से जुड़ी शर्तें लगाने का सुझाव दिया गया है।

यदि इस पर गंभीरता से विचार कर इसे व्यवस्था का हिस्सा बनाए जाए, तो विदेश जाने वाले युवाओं के लिए पासपोर्ट आवेदन या वीजा प्रक्रिया में माता-पिता की सहमति या हलफनामा अनिवार्य हो सकता है, जो उनके भविष्य को सुरक्षित बनाने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम होगा। इस तरह के कानून की आवश्यकता इसलिए भी महसूस की जा रही है, क्योंकि भारत में बुजुर्ग आबादी तेजी से बढ़ रही है। वर्ष 2021 के एक अनुमानित आंकड़े के अनुसार, देश में साठ वर्ष से अधिक उम्र के लोग कुल आबादी का लगभग दस फीसद हैं, और यह संख्या वर्ष 2030 तक और बढ़ने का अनुमान है। युवाओं के विदेश और शहरों में पलायन के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में बुजुर्ग अकेले रह जाते हैं, जहां स्वास्थ्य सेवाएं, सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक समर्थन की कमी होती है।

कई मामलों में माता-पिता अपने बच्चों को विदेश भेजने के लिए अपनी जमीन-जायदाद तक बेच देते हैं, अपनी सारी बचत उसमें लगा देते हैं और कहीं कमी रह जाए तो बैंकों से कर्ज लिया जाता है। मगर कई दफा उन्हें बदले में अकेलापन और उपेक्षा ही मिलती है। यह न केवल व्यक्तिगत स्तर पर दुखद है, बल्कि समाज में पारिवारिक मूल्यों के क्षरण को भी दर्शाता है। भारतीय संस्कृति में 'मातृ-पितृ भक्ति' को सर्वोच्च माना जाता है, लेकिन आर्थिक महत्त्वाकांक्षा और पश्चिमी जीवनशैली के प्रभाव से ये मूल्य कमजोर पड़ रहे हैं। संसद में दिया गया सुझाव इसी सांस्कृतिक संकट पर ध्यान आकर्षित करता है और याद दिलाता है कि युवाओं की सफलता के पीछे माता-पिता का त्याग भी होता है, इसलिए उनकी सेवा अनिवार्य होनी चाहिए।

हालांकि, इस प्रस्ताव पर बहस भी छिड़ी हुई है। कुछ लोग इसे सकारात्मक मानते हैं, क्योंकि यह बुजुर्गों के अधिकारों की रक्षा से जुड़ा है और बच्चों में जिम्मेदारी की भावना जगाने वाला है। सोशल मीडिया पर कई लोग इसका यह कहकर समर्थन कर रहे हैं कि इस तरह का कानून जरूरी है, ताकि माता-पिता का भविष्य सुरक्षित रहे। दूसरी ओर, कुछ आलोचक इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर अतिक्रमण मानते हैं। वे कहते हैं कि पासपोर्ट रद्द करना या प्रमाण पत्र की बाध्यता जैसे कदम बहुत कठोर हैं, जो प्रवास की स्वतंत्रता को प्रभावित करेंगे। अंतरराष्ट्रीय कानूनों में पासपोर्ट रद्द करने के लिए केवल गंभीर अपराध या राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार होते हैं, न कि पारिवारिक मामलों पर। एनआरआइ समुदाय का एक हिस्सा भी इसे भेदभावपूर्ण मानता है, उनका तर्क है कि भारत में रहने वाले युवा जो माता-पिता की उपेक्षा करते हैं, उनके खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई नहीं होती है।

इसके बावजूद इस प्रस्ताव की व्यावहारिकता पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। यदि सरकार इस तरह के प्रावधान लागू करती है, तो विदेश मंत्रालय को एनआरआइ से जुड़े डेटाबेस को मजबूत करना होगा, भारतीय दूतावासों के माध्यम से प्रमाण पत्र सत्यापन की व्यवस्था करनी होगी और शिकायतों के लिए एक तंत्र बनाना होगा। यह प्रक्रिया जटिल हो सकती है, लेकिन डिजिटल प्रणाली और आधार जैसी सुविधाओं से इसे संभव बनाया जा सकता है। मिसाल के तौर पर माता-पिता एक आनलाइन पोर्टल पर प्रमाण पत्र दर्ज कर सकते हैं या दूतावास में जमा कर सकते हैं। यदि प्रमाण पत्र नहीं मिलता है, तो पासपोर्ट नवीनीकरण रुक सकता है या यात्रा प्रतिबंध लग सकता है। यह कदम युवाओं को अपने माता-पिता से नियमित संपर्क बनाए रखने के लिए प्रेरित करेगा और उनकी सुरक्षा का एहसास दिलाता रहेगा।

इस मुद्दे पर संसद में उठाया गया सवाल केवल कानूनी नहीं, बल्कि नैतिक और सामाजिक दृष्टिकोण से भी अहम है। यदि ऐसा कानून बनता है, तो यह सुनिश्चित करेगा कि विदेश में सफलता पाने वाले युवा अपने माता-पिता को कभी न भूलें। बुजुर्गों का सम्मान और सुरक्षा राष्ट्र की प्रगति का आधार है, और उनकी उपेक्षा सामाजिक मूल्यों के लिए घातक साबित हो सकती है। इसलिए इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए, ताकि बुजुर्ग माता-पिता का भविष्य सुरक्षित हो और परिवार की एकता बनी रहे। यह कदम न केवल बुजुर्गों की रक्षा करेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को जिम्मेदारी का पाठ भी पढ़ाएगा।

हार के बाद भी जो न टूटे, सफलता की असली ताकत है 'दृढ़ निश्चय'

मनुष्य का जीवन किसी सीधी सड़क की यात्रा नहीं है, बल्कि यह एक ऐसे महासागर की यात्रा है, जिसमें मौसम प्रति पल अपना रंग बदलता रहता है। हवा का रुख कभी यात्रा की दिशा के अनुकूल होता है, तो कभी प्रतिकूल। विशाल जलराशि कभी शांत होती है, तो कभी उग्र। ऐसी दशाओं में नाव का चलना केवल भाग्य या परिस्थितियों पर ही निर्भर नहीं होता, बल्कि वह निर्भर करता है नाविक की सजगता, साहस और खासकर उस पतवार पर, जिसे वह लगातार थामे रहता है। जीवनरूपी महासागर की इस यात्रा में जो तत्त्व पतवार की भूमिका अदा करता है, वह है दृढ़ निश्चय। यह ऐसी शक्ति है, जो मनुष्य को विपरीत परिस्थितियों में भी सही दिशा से भटकने नहीं देती। इसलिए यह कहना कोई अत्युक्ति नहीं कि दृढ़ निश्चय ही जीवन की पतवार है।

आज का समय जितना द्रुत है, उतना ही अधिक विचलनशील भी। तकनीक के उन्नयन ने निस्संदेह हमें सुविधाओं का अमूल्य कोष प्रदान किया है, लेकिन साथ ही हमें अधीरता भी एक पार्श्वप्रभाव के रूप में प्राप्त हुई है। विकल्पों की बाढ़ ने हमें विविध अवसर दिए हैं, लेकिन निर्णय की स्थिरता को बहुत बुरी तरह प्रभावित किया है। आज स्थिति यह है कि हम शीघ्रातिशीघ्र परिणाम चाहते हैं, तत्काल स्थापित होना चाहते हैं और बिना संघर्ष के ही सफलता की कल्पना करने लगते हैं। यही कारण है कि मार्ग में उपस्थित छोटे-छोटे अवरोध भी हमें बड़े संकट जैसे प्रतीत होने लगते हैं। कोई कार्य अपनी सिद्धि में थोड़ा समय ले ले, तो हमारा मन हमसे कहता है कि 'इसे छोड़ो'। कार्य में असफलता प्राप्त होने पर मन उसे अपनी क्षमताओं की परिधि से परे समझ लेता है। आलोचना की स्थिति में मन हताशा और नकारात्मकता से भरने लगता है।

ऐसे प्रतिकूल समय में दृढ़ निश्चय ही वह आंतरिक बल है, जो मन को टूटने से बचाता है और विचारों को बिखरकर व्यर्थ नहीं होने देता। दृढ़ निश्चय को कई बार हठ, जिद या कठोरता के साथ जोड़ दिया जाता है। मगर वास्तविक दृढ़ निश्चय का आधार कभी कठोर नहीं होता, बल्कि यह विवेक की कोमलता से निर्मित होता है। दृढ़ निश्चय सदैव सही लक्ष्य चुनकर, सही दिशा पकड़कर, प्रत्येक बाधा को पार करते हुए आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इसकी पतवार में एक अनोखा लचीलापन होता है। परिस्थितियां बदलने पर यह अपनी गति का तरीका भी परिवर्तित कर लेती है, लेकिन प्रत्येक दशा में लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता बनी रहती है। यह व्यक्तित्व को स्थिरता प्रदान करता है। अंतर्मन में विद्यमान भय, आलस्य, निराशा और शंका व्यक्ति की संभावनाओं को समाप्त कर देते हैं। दृढ़ निश्चय ही वह गुण है जो इन शत्रु भावों के प्रति एक अमोघ अस्त्र का कार्य करके इनका शमन करता है और मन को लक्ष्य के साथ बांधे रखता है।

सफलता का मार्ग बाहर से जितना आकर्षक दिखाई पड़ता है, भीतर से उतना ही कठिन और संघर्षपूर्ण होता है। हम अक्सर किसी व्यक्ति की मंजिल को देखते हैं, उस मंजिल तक पहुंचने में उसके द्वारा की गई यात्रा को नहीं। अनेक बार टूटकर भी अपने संकल्प को बचाए रखने के उत्साह को शायद हम नहीं देख पाते। दृढ़ निश्चय का संबंध परिश्रम के साथ धैर्य से भी है। निरंतरता ही मेहनत के मूल्य को निर्मित करती है। यह सीख हमें प्रकृति से सतत रूप से मिलती रहती है। बीज मिट्टी में पड़कर तत्काल वृक्ष नहीं बन जाता। बहता पानी एक ही दिन में नदी के रूप में अपनी पहचान नहीं प्राप्त कर लेता। पर्वतों की विशालता भी सदियों में ही अस्तित्व में आती है। ठीक इसी तरह मनुष्य के भीतर भी बड़े परिवर्तन एक क्षण में नहीं घटित होते।

दृढ़ निश्चय व्यक्ति को लंबी

यात्रा के लिए तैयार करता है। वह उसे सदैव प्रेरित करता है कि मार्ग अवश्य कठिन एवं दुरूह होगा, लेकिन यात्रा को विराम मत देना। छोटे-छोटे संकल्प मन को दृढ़ता प्रदान करते हैं। संकल्पों की ऊर्जा से सिंचित मन ही धीरे-धीरे बड़े संघर्षों के लिए तैयार होता है। दृढ़ निश्चय का आधार है- स्वयं के प्रति ईमानदारी। जो व्यक्ति अपने आप से बार-बार वादा करके तोड़ता है, वह अति शीघ्र भीतर से कमजोर हो जाता है, लेकिन स्वयं के साथ प्रतिबद्ध व्यक्ति आत्मविश्वास के उच्चतम स्तर को प्राप्त कर लेता है।

दृढ़ निश्चय व्यक्ति को परिस्थितियों का दास नहीं बनने देता। यह व्यक्ति को प्रतिकूल परिस्थिति में भी प्रयत्न की निरंतरता को बनाए रखने की शक्ति देता है। नतीजतन, व्यक्ति मानसिक रूप से सशक्त हो जाता है। दृढ़ निश्चय से पूर्ण व्यक्ति गिरकर भी उठता है, रुककर भी फिर चल पड़ता है और हारकर भी जीतने का प्रयास करता है। जीवन में कई बार हम कुछ समय के लिए पीछे चले जाते हैं, लेकिन अगर हमारा संकल्प जीवित है, तो हम फिर से आगे बढ़ जाते हैं। एक महत्त्वपूर्ण बात यह कि दृढ़ निश्चय की पतवार बिना दिशा के नहीं चलती। इसलिए लक्ष्य का चयन भी नितांत महत्त्वपूर्ण है। लक्ष्य ऐसा होना चाहिए जो आत्मा की गहराई से जुड़ा हो। जब लक्ष्य हमारे भीतर से निकलता है, तब दृढ़ निश्चय स्वतः मजबूत होता है। मगर जब लक्ष्य केवल बाह्य प्रदर्शन के लिए होता है, तब वह कठिनाई का वार होते ही टूट जाता है।

इसलिए जीवन में सर्वप्रथम यह स्पष्ट होना जरूरी है कि हमें दरअसल चाहिए क्या। उसके बाद उसी लक्ष्य के लिए अपने भीतर दृढ़ निश्चय को उत्पन्न करना चाहिए। आज तेजी से परिवर्तित होती दुनिया, अनियंत्रित प्रतिस्पर्धा और जटिल चुनौतियों के बीच हमें अपने भीतर दृढ़ निश्चय को केवल एक गुण के रूप में ही नहीं, बल्कि जीवन की आधारशिला के रूप में विकसित करना होगा। जो व्यक्ति दृढ़ निश्चय की पतवार थामकर जीवनयात्रा को जारी रखता है।

असमानताओं पर प्रहार, समानता का विस्तार : एक सार्थक पुकार

संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिवर्ष 20 फरवरी को मनाया जाने वाला विश्व सामाजिक न्याय दिवस आज के समय में केवल असमानताओं पर प्रहार एवं समानता के विस्तार की एक सार्थक पुकार का अंतरराष्ट्रीय आयोजन ही नहीं, बल्कि वैश्विक चेतना का आह्वान है। वर्ष 2026 में यह दिवस विशेष महत्व ग्रहण कर रहा है, क्योंकि विश्व तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था, तकनीकी संक्रमण, जलवायु संकट, राजनीतिक ध्रुवीकरण और सामाजिक असमानताओं के बीच नई संतुलित व्यवस्था की तलाश में है। इस वर्ष की थीम 'समावेश को सशक्त बनानाः सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटना' हमें यह याद दिलाता है कि विकास तभी सार्थक है जब वह समावेशी हो और समावेशन तभी प्रभावी है जब वह न्यायपूर्ण हो। सामाजिक न्याय का अर्थ केवल अवसरों की समानता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक व्यवस्था की स्थापना का आग्रह करता है जिसमें संसाधनों, अधिकारों और गरिमा का निष्पक्ष वितरण सुनिश्चित हो। जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा की समान उपलब्धता नहीं मिलती, तब तक प्रगति अधूरी है। 2026 की थीम विशेष रूप से उन समुदायों की भागीदारी पर बल देती है जो ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहे हैं-चाहे वे आर्थिक रूप से वंचित हों, सामाजिक रूप से उपेक्षित हों या राजनीतिक रूप से प्रतिनिधित्व से दूर हों। समावेशन का सशक्तिकरण केवल नीतिगत घोषणा नहीं, बल्कि निर्णय-प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता का अधिकार है।

आज वैश्विक स्तर पर असमानताओं की खाई कई रूपों में दिखाई देती है। एक ओर तकनीकी क्रांति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता रोजगार के नए अवसर सृजित कर रही है, तो दूसरी ओर पारंपरिक श्रम-आधारित रोजगार असुरक्षित होते जा रहे हैं। डिजिटल विभाजन नई सामाजिक दूरी का कारण बन रहा है। ग्रामीण और शहरी, विकसित और विकासशील, पुरुष और महिला, सक्षम और दिव्यांग-इन सबके बीच संसाधनों की असमान पहुंच सामाजिक तनाव को जन्म देती है। ऐसे समय में सामाजिक न्याय का अर्थ है इन अंतरों को पहचानना और उन्हें पाटने के लिए लक्षित, संवेदनशील और पारदर्शी नीतियों का निर्माण करना। सम्मानजनक कार्य की अवधारणा भी सामाजिक न्याय के केंद्र में है। केवल रोजगार उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं, बल्कि ऐसा कार्य-संस्कृति बनाना आवश्यक है जिसमें उचित वेतन, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियां और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित हो। आर्थिक विकास तभी टिकाऊ हो सकता है जब वह मानव गरिमा के साथ जुड़ा हो। यदि विकास केवल आंकड़ों में सीमित रह जाए और आम नागरिक के जीवन में राहत न ला सके, तो वह विकास नहीं, केवल विस्तार है।

मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र इस युग की अनिवार्यता बन चुका है। कोविड-19 महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि संकट किसी भी समाज को अचानक अस्थिर कर सकता है। बेरोजगारी, स्वास्थ्य संकट और आर्थिक मंदी से निपटने के लिए सामाजिक सुरक्षा जाल का सुदृढ़ होना अत्यंत आवश्यक है। वृद्धजन, दिव्यांग, महिलाएं, बच्चे और असंगठित क्षेत्र के श्रमिक-इन सभी के लिए संरक्षित ढांचा ही न्यायपूर्ण समाज की नींव है। भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में सामाजिक न्याय का विचार ऐतिहासिक और संवैधानिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। भारतीय संविधान ने समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों के माध्यम से एक ऐसे समाज की कल्पना की है जहां जाति, धर्म, लिंग या वर्ग के आधार पर भेदभाव न हो। आज भी सामाजिक न्याय का प्रश्न केवल आर्थिक असमानता तक सीमित नहीं है; यह सामाजिक पूर्वाग्रहों, लैंगिक भेदभाव, क्षेत्रीय असंतुलन और सांस्कृतिक असमानताओं से भी जुड़ा है।

समकालीन भारत में सामाजिक न्याय के संदर्भ में विभिन्न सरकारी योजनाओं और पहलों के माध्यम से वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक और नशा-पीड़ित व्यक्तियों के सशक्तिकरण हेतु अनेक योजनाएं संचालित की गई हैं। सरकार का दृष्टिकोण यह रहा है कि सामाजिक न्याय विभाजन की राजनीति नहीं, बल्कि समावेशन की नीति के माध्यम से स्थापित हो। 'संतुष्टिकरण' बनाम 'तुष्टिकरण' की अवधारणा इसी दिशा में एक वैचारिक संकेत है, जो समाज को जोड़ने की बात करती है। फिर भी चुनौतियां शेष हैं। महंगाई, बेरोजगारी, पर्यावरणीय संकट और बढ़ती जीवन-यापन लागत आम नागरिक के लिए वास्तविक कठिनाइयां उत्पन्न करती हैं। लोकतंत्र का उद्देश्य केवल चुनावी प्रक्रिया तक सीमित नहीं, बल्कि जनसंतोष और जनकल्याण सुनिश्चित करना है। यदि नागरिक स्वयं को असुरक्षित, असमान या उपेक्षित अनुभव करें, तो सामाजिक न्याय का आदर्श खोखला प्रतीत होने लगता है।

आज आवश्यकता है कि सामाजिक न्याय को केवल राजनीतिक नारे के रूप में नहीं, बल्कि नैतिक दायित्व के रूप में देखा जाए।

हमने आचरण की पवित्रता एवं पारदर्शिता की बजाय कदाचरण एवं अनैतिकता की कालिमा का लोकतंत्र बना रखा है। ऐसा लगता है कि धनतंत्र एवं सत्तातंत्र ने जनतंत्र को बंदी बना रखा है। हमारी न्याय-व्यवस्था कितनी भी निष्पक्ष, भव्य और प्रभावी हो, फ्रांसिस बेकन ने ठीक कहा था कि 'यह ऐसी न्याय-व्यवस्था है जिसमें एक व्यक्ति की यंत्रणा के लिये दस अपराधी दोषमुक्त और रिहा हो सकते हैं।' रोमन दार्शनिक सिसरो ने कहा था कि 'मनुष्य का कल्याण ही सबसे बड़ा कानून है।' लेकिन हमारे देश के कानून एवं शासन व्यवस्था को देखते हुए ऐसा प्रतीत नहीं होता, आम आदमी सजा का जीवन जीने को विवश है। सामाजिक न्याय के लिए सामाजिक एकता भंग नहीं की जा सकती। शासन और प्रशासन की प्रत्येक नीति का अंतिम लक्ष्य मानव कल्याण होना चाहिए। यदि शक्ति के स्रोत जनहित में प्रयुक्त न हों, तो वे असंतोष और अविश्वास को जन्म देते हैं। विश्व सामाजिक न्याय दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। क्या हमारा लोकतंत्र समानता का लोकतंत्र है या विभेद का? क्या हमारी स्वतंत्रता सबके लिए समान अवसर लेकर आई है या केवल कुछ वर्गों तक सीमित है? क्या हमारी नीतियां पारदर्शिता और नैतिकता पर आधारित हैं या वे जटिलता और असमानता को बढ़ा रही हैं? इन प्रश्नों का उत्तर ईमानदारी से खोजना ही इस दिवस की सार्थकता है।

सामाजिक न्याय केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। जाति, धर्म, वर्ग और लिंग के भेद से ऊपर उठकर यदि नागरिक परस्पर सम्मान और सहयोग की भावना विकसित करें, तो सामाजिक ताने-बाने को सुदृढ़ किया जा सकता है। शिक्षा संस्थान, नागरिक संगठन, धार्मिक और सांस्कृतिक मंच-सभी को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। नई वैश्विक अर्थव्यवस्था में जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा और डिजिटल नवाचार नए अवसर प्रदान कर रहे हैं, वहीं यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि इन अवसरों का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। अन्यथा विकास की गाड़ी कुछ लोगों को आगे ले जाएगी और शेष को पीछे छोड़ देगी। समावेशन का सशक्तिकरण इसी असंतुलन को रोकने का प्रयास है। प्रतिदिन कोई न कोई कारण महंगाई को बढ़ाकर हम सबको और धक्का लगा जाता है और कोई न कोई टैक्स, अधिभार हमारी आय को और संकुचित कर जाता है। जानलेवा प्रदूषण ने लोगों की सांसों को बाधित कर दिया, लेकिन हम किसी सम्यक् समाधान की बजाय नये नियम एवं कानून थोप कर जीवन को अधिक जटिल बना रहे हैं। सामाजिक न्याय व्यवस्था तभी सार्थक है जब आम जनता निष्कंटक एवं समस्यामुक्त समानता का जीवन जी सके।

2026 का यह दिवस हमें यह संदेश देता है कि न्याय और विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग सामाजिक न्याय से होकर ही गुजरता है। यदि समाज का अंतिम व्यक्ति भी सम्मान, सुरक्षा और अवसर के साथ जीवन जी सके, तभी हम कह सकेंगे कि हमने सामाजिक न्याय के आदर्श को साकार किया है। इस तरह सामाजिक न्याय केवल नीति का प्रश्न नहीं, बल्कि चेतना का प्रश्न है। यह हमारे विचारों, व्यवहार और निर्णयों में परिलक्षित होना चाहिए। जब नागरिक और शासन दोनों मिलकर समानता, गरिमा और अवसर की संस्कृति का निर्माण करेंगे, तभी विश्व सामाजिक न्याय दिवस मनाने की वास्तविक सार्थकता सिद्ध होगी। समावेश को सशक्त बनाकर और असमानताओं की खाई को पाटकर ही हम एक ऐसे समाज की रचना कर सकते हैं जो अधिक न्यायपूर्ण, अधिक मानवीय और अधिक स्थायी हो।

ज्ञानपुर में मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद की समीक्षा बैठक

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया स्वागत, विधायक विपुल दुबे भी रहे मौजूद

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। मत्स्य विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री संजय कुमार निषाद ने जनपद भ्रमण के दौरान ज्ञानपुर स्थित राजकीय अतिथि गृह में विभागीय समीक्षा बैठक की। बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति, लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं का लाभ पात्र मत्स्य पालकों तक पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार मत्स्य पालन को बढ़ावा देकर रोजगार के नए अवसर सृजित कर रही है। इस अवसर पर ज्ञानपुर विधायक विपुल दुबे भी मौजूद रहे। बैठक से पूर्व जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने मंत्री का शिष्टाचार भेंट कर स्वागत किया।

मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि वर्ष 2027 में पुनः एनडीए की सरकार बनेगी और विकास की गति और तेज होगी। कार्यक्रम में संबंधित विभागीय अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

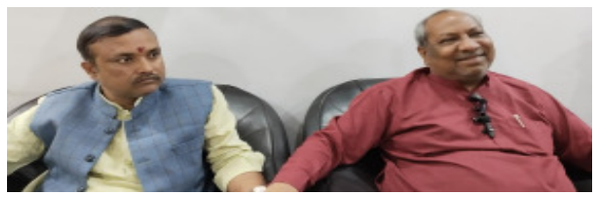

ट्रेन से मुंबई जा रहा बुजुर्ग लापता तलाश में भटक रहा परिवार

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। सुरियावां थानाक्षेत्र के वीरभद्रपट्टी गांव से बेटे-बहू के साथ मुंबई के लिए निकले एक बुजुर्ग व्यक्ति के लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों के मुताबिक महाराष्ट्र के भुसावल रेलवे स्टेशन पर पहुँचने के बाद बुजुर्ग कुछ सामान लेने के लिए स्टेशन पर उतरे थे और तभी ट्रेन आगे की तरफ रवाना हो गई। काफी समय बाद जब उनका पता नहीं चला तो परिजनों ने भुसावल रेलवे पुलिस से गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई, सीसीटीवी फुटेज में प्लेटफार्म नंबर चार पर बुजुर्ग दिखाई दिए है। परिजनों ने भुसावल रेलवे पुलिस और सुरियावां थाने पर तहरीर देकर गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराते हुए बरामदगी की गुहार लगाई है।

सुरियावां थानाक्षेत्र के वीरभद्रपट्टी गांव निवासी सहमतुल्ला अंसारी (65) गांव में ही रहते हैं और तीन बेटे हैं और तीनों बेटे मुंबई में रहते हैं। 15/02/2026 को सहमतुल्ला अपने तीसरे नंबर के बेटे गुलफाम और बहू के साथ

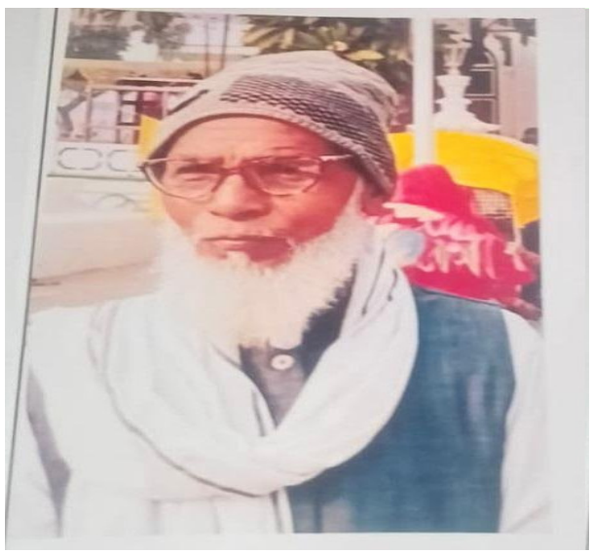

कामायनी ट्रेन से मुंबई के लिए निकले थे। भुसावल रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पहुँचने के बाद सहमतुल्ला समान लेने के लिए ट्रेन से उतरे और ट्रेन निकल गई। थोड़े समय बाद पिता के वापस ना आने पर उनका बेटा गुलफाम ने भुसावल स्टेशन पर आकर रेलवे पुलिस से पिता के गुमशुदा होने की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी की जांच की तो सहमतुल्ला रेलवे स्टेशन पर दिखाई दिए मगर काफ़ी खोजबीन के बाद भी कोई पता नहीं चला। अब पीड़ित परिवार थक हारकर सुरियावां थाने पर तहरीर देकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर बरामदगी की माँग की है। सहमतुल्ला के लापता होने से उनकी पत्नी जमीला(60) और परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है और बरामदगी की मांग उठायी है।

साइबर ठगी के शिकार पत्रकार को पुलिस ने लौटाए 49, 805 रुपये

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद में साइबर ठगी के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना सुरियावां की साइबर हेल्प डेस्क ने पीड़ित पत्रकार कृष्ण कुमार उपाध्याय के खाते में 49, 805 रुपये वापस कराए।

जानकारी के अनुसार कृष्ण कुमार उपाध्याय (निवासी ग्राम कोडर, थाना सुरियावां) के मोबाइल पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा एक एपीके फाइल भेजी गई थी। फाइल डाउनलोड करते ही उनका मोबाइल हैक हो गया और बैंक खाते से 49, 805 रुपये निकल गए। घटना की जानकारी होने पर पीड़ित ने तत्काल शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत प्राप्त होते ही साइबर हेल्प डेस्क ने एनसीआरपी पोर्टल के माध्यम से संबंधित बैंक से संपर्क कर धनराशि को होल्ड कराया और आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर पूरी रकम वापस खाते में ट्रांसफर करा दी।

खाते में धनराशि वापस आने पर पीड़ित ने पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी अनजान लिंक या एपीके फाइल को डाउनलोड न करें तथा साइबर ठगी की स्थिति में तुरंत 1930 हेल्पलाइन नंबर पर सूचना दे।

एसआरएम टीम द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य सुरियावा सहित अन्य स्वास्थ्य केंद्र का किया गया निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। सुरियावा स्वास्थ्य विभाग की एस आर् यम टीम द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुरियावां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरिहरपुर . करियाव, महजुदा व 14 आयुष्मान आरोग्य मंदिर का टीम के डॉक्टर अजय सिंह डॉक्टर विक्रांत सिंह द्वारा चिकित्सा एवं परिवार कल्याण के अंतर्गत अंतर्गत संचालित कार्यक्रमों उपलब्ध सुविधाओं संसाधनों और उपचार व्यवस्था की वास्तविक स्थिति का आकलन करना साफ सफाई दावों की उपलब्धता चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ की उपस्थिति उपकरणों तथा मरीजों को मिलने वाले सुविधाओं की बारीकी से जांच की प्रसुति वार्ड इमरजेंसी पैथोलॉजी सेवाएं लैब और टीकाकरण कक्षा पर विशेष ध्यान दिया जांच के दौरान मरीज और तीर मदारों से भी फीडबैक लिया ताकि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का निष्पक्ष मूल्यांकन किया जा सके टीम रिकॉर्ड रजिस्टर दवा स्टॉक रजिस्टर वह अन्य आवश्यक दस्तावेजों का भी पड़ताल किया टीम का यह दौरा स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर एवं जवाब दे बनाने की दिशा में एक आम कदम माना जा रहा है इससे सुविधाओं में सकारात्मक सुधार देखने को मिलेगा इस मौके पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक सुरियावां अभिषेक नाग एवं समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

शहिद ध्रुव लाल इंटर कॉलेज व थाना सुरियावा परिसर का होगा कायाकल्प : विनय चौरसिया

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। नगर पंचायत अध्यक्ष सुरियावां विनय चौरसिया ने नगर मे हो रहे बघेल कटरा से अटल चौराहे तक सीसी रोड निर्माण कार्य का निरीक्षण कर जेई को निर्देशित किया कि कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा मानक के अनुसार गुणवत्तापूर्ण कार्य कराया जाए तथा आतिशबाजी मोहल्ला में इंटरलॉकिंग रोड बनने के लिए निरीक्षण किया तथा थाना सुरियावां परिसर में इंटरलॉकिंग शहिद ध्रुव लाल इंटर कॉलेज परिसर के बगल में डेढ़ सौ मीटर नाली निर्माण कार्य के लिए अनुमानित लागत 9 लाख75000 होगी तथा इंटर कॉलेज से मेन रोड तक इंटरलॉकिंग रोड निर्माण कार्य के लिए विभागीय विभागीय नाप जोख कराया इससे विद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं एवं आने जाने वाले लोगों को काफी सहुलीयत प्रदान होगी तथा नगर के विकास में एक नई कड़ी जुड़ जाएगी इस मौके पर सभासद मंत्त लाल कैलाश सरोज राजा बाबू रमाकांत जायसवाल पप्पू वर्मा डीम जयसवाल गिरजा शंकर गणेश जायसवाल सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

हर घर नल हर घर जल योजना से फैल रही अव्यवस्था, लोगों में रोश

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। आज तुलापुर बहादुरान में युवा समाज सेवी विवेक कुमार दुबे की तरफ से जो हर गाँव में सरकार द्वारा हर घर नल हर घर जल योजना चलाया जा रहा है, उस योजना को ठेकेदार लोग धरातल पर शून्य साबित कर रहे हैं, पाइप के लिए सड़क को खोदने के बाद उस पर पाइप डालने के बाद सड़क को उसी अवस्था में छोड़ दे रहे हैं, जिससे गाँव के लोगों को आने जाने मे दिक्कतो का सामना कर रहे है।

तुलापुर बहादुरान मे अभिया सुरियावाँ रोड से लेकर गोस्वामी बस्ती तक इंटर लॉकिंग रोड को बिल्कुल क्षतिग्रस्त कर दिये हैं, और बाबासाहब के मूर्ति ले लेकर गौतम बस्ती, विश्वकर्मा बस्ती, कनौजिया बस्ती बिंद बस्ती तक जाने वाली इंटर लॉकिंग रोड को भी खराब कर दिये हैं, और गौड़ बस्ती ठाकुर बस्ती मे भी रोड को खराब करके छोड़ दिये हैं, जिससे पुरा गाँव परेसान हैं, गाँव वालो ने कहा रोड को जल्द से जल्द ठीक करवाया जाए नही तो गाँव वाले रोड पर आकर धरना प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। गाँव वालो मे युवा समाजसेवी विवेक कुमार दुबे, शिवनाथ पूरी, मेवालाल पूरी, लालमणि, अमृतलाल गौतम, हयात अली, पप्पु बिंद, बाबूलनाथ गौतम, सुनील, नेता गौतम, मुकेश, शुभम, काशीराम, आदि लोग उपस्थित थे।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी भदोही द्वारा किया गया आकस्मिक निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। मुख्य चिकित्सा अधिकारी भदोही डॉ संतोष कुमार चक द्वारा केदारपुर में आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु आंगनबाड़ी केंद्र केदारपुर का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान एएनएम श्रीमती अनीता देवी उपस्थित नहीं पाई गई सीएमओ द्वारा एएनएम, हेओ, बीसीपीएम मोइक सेमराध, एमएस डीघ का 1 दिन का वेतन बाधित किया गया घनश्यामपुर में एएनएम के द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा था ओआरओ एवं मोइक जंगीगंज का 1 दिन का वेतन बाधित किया गया।

पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान चला कर यातायात नियमों का वाहन चालकों को पढ़ाया पाठ

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा अभिषेक महाजन के आदेश के अनुपालन के क्रम मे, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के निर्देशन मे, क्षेत्राधिकारी यातायात सुजीत राय के कुशल पर्यवेक्षण मे प्रभारी यातायात अमरेश कुमार मय टीम द्वारा साड़ी तिराहा, पावर हॉउस तिराहा, सिद्धार्थ तिराहा, पेट्रोल पम्प तिराहा, एवं कस्बा बाँसी आदि स्थानों पर पीद एद सिस्टम से आम जनमानस को जागरूक किया गया तथा रात्रि मे दुर्घटना से बचाव हेतु वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाने के साथ-साथ सड़को के किनारे अवैध रूप से खड़े बड़े वाहनों/बिल्डिंग मटेरियल ट्रक को जिनसे दुर्घटना की प्रबल संभावना/जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही थी उनका चालान कर हटवाया गया एवं आज के विशेष अभियान के तहत शराब पीकर वाहन चलाने वाले 10 वाहनों चेकिंग किया गया जिसमे 01 वाहन का चालान करते हुए, चार पहिया वाहनों मे सीटबेल्ट का प्रयोग न करना, बिना हेलमेट वाहन चलाना, गलत दिशा मे वाहन चलाने वालो वाहनों का चालान करने समेत कुल 40वाहनों का चालान करते हुए 53500 रूपये शमन शुल्क की कार्यवाही करते हुए प्रत्येक दशा मे यातायात नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित किया गया, जिससे होने वाली सड़क दुर्घटनाओ की संख्या मे भारी कमी लायी जा सके।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर किया शिक्षण कार्य

सिद्धार्थनगर। ब्लॉक संसाधन केंद्र शोहरतगढ़ क्षेत्र अंतर्गत प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों ने सोमवार को टीईटी की अनिवार्यता के विरोध में काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य किया। यह कार्यक्रम टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीएफआई) के आह्वान पर किया गया।संघ के निर्देशानुसार चल रहे तीन दिवसीय अभियान के प्रथम दिन शिक्षकों ने एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए अपनी बाहों में काली पट्टी बांधकर सरकार के निर्णय का विरोध जताया। शिक्षकों का कहना है कि टीईटी की अनिवार्यता को लेकर वे पिछले कई दिनों से आंदोलनरत हैं और इसे वापस लेने की मांग कर रहे हैं। ब्लॉक इकाई शोहरतगढ़ अध्यक्ष लालजी यादव एवं जिला प्रचार मंत्री मुस्तन शेरुल्लाह सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी और शिक्षक इस विरोध कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि यदि सरकार द्वारा शीघ्र ही कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।इस दौरान विद्यालयों में शिक्षण कार्य सामान्य रूप से संचालित होता रहा, लेकिन शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर अपना विरोध दर्ज कराया।

पावरलिफ्टिंग में भदोही पुलिस अव्वल

31वीं अंतर जनपदीय प्रतियोगिता में जीती चलवैजंती

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। रिजर्व पुलिस लाइन गाजीपुर में आयोजित 31वीं अंतर जनपदीय भारोत्तोलन, क्लस्टर महिला/पुरुष, योग एवं पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता-2026 में भदोही पुलिस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पावरलिफ्टिंग में प्रथम स्थान प्राप्त कर चलवैजंती अपने नाम की। प्रतियोगिता 17 से 19 फरवरी 2026 तक आयोजित हुई, जिसमें वाराणसी जोन की टीमों ने प्रतिभाग किया।

उपलब्धि पर पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने सोमवार को पुलिस कार्यालय ज्ञानपुर में खिलाड़ियों को शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके उत्साहवर्धन के लिए बधाई दी।

सम्मानित खिलाड़ियों में उपनिरीक्षक हरिवंश सिंह, पुष्पेंद्र सिंह, राजा यादव, उपेंद्र सिंह, ओम प्रकाश यादव, अरविंद यादव, राजित यादव, देवांशु यादव, मुनेश सिंह, अखिलेश सरोज, रविंद्र कुमार, रोहित गोंड, चंद्रकला, ज्योति एवं स्नेहा शामिल रहे।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि खिलाड़ियों का यह प्रदर्शन अन्य पुलिसकर्मियों के लिए प्रेरणास्रोत है और भविष्य में भी जनपद इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करता रहेगा।

शोहरतगढ़ में एसआईआर अभियान तेज 85, 805 मतदाताओं को नोटिस जारी

सिद्धार्थनगर। जिले में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसिर) अभियान के तहत शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र में मतदाता सूची के शुद्धिकरण की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र के 85, 805 मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं। 13 एआरओ/ईआरओ अधिकारी, बीएलओ के सहयोग से इन मतदाताओं का सत्यापन और निस्तारण कर रहे हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र में कुल 3, 60, 231 मतदाता पंजीकृत थे। प्रथम चरण में बीएलओ द्वारा 2, 95, 479 मतदाताओं का सफल सत्यापन किया जा चुका है। वहीं शेष 64, 752 मतदाताओं के प्रपत्र अप्राप्य होने के कारण उनका नाम मतदाता सूची से हटाने की कार्रवाई की गई हटाए गए मतदाताओं में13, 815 मृतक, 13, 991 अनुपस्थित एब्सेंट, 7, 320 स्थायी रूप से स्थानांतरित परमानेंटली शिफ्टेड, तथा 767 अन्य श्रेणी के मतदाता शामिल हैं। उपजिलाधिकारी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी विवेकानंद मिश्रा ने बताया कि सत्यापित 2, 95, 479 मतदाताओं में से 40, 543 मतदाताओं का मैपिंग नहीं हो पा रही थी, जबकि 45, 262 मतदाताओं के विवरण में तार्किक विसंगतियां पाई गईं। इन सभी 85, 805 मतदाताओं को एसिर नोटिस जारी कर सत्यापन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाना है ताकि आगामी चुनावों में केवल पात्र मतदाता ही अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। संबंधित अधिकारियों और बीएलओ को निर्देश दिए गए हैं कि नोटिसों का समयबद्ध एवं निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित किया जाये।

खंड़ शिक्षा अधिकारी पढन पाठन के गतिविधि का किया निरीक्षण

सिद्धार्थनगर। जिले के खेसरहा खंड़ शिक्षा अधिकारी विजय सिंह प्राथमिक विद्यालय भूपतिजोत का औचक निरीक्षण कर यहा पढने वाले छात्र छात्राओं के पठन पाठन की के गतिविधि की जानकारी ली।

खंड़ शिक्षा अधिकारी के विद्यालय पहुंचने पर सभी कक्षाएं संचालित मिली, प्रधानाध्यापक धीरज प्रसाद गौड़ से छात्र संख्या के बारे मे जानकारी ली तों यहा कक्षा -1 से 5 तक के कक्षाओं में कुल -193 छात्रों का नामांकन हैं। जिसमें -173 छात्र उपस्थित पाये गये। खंड़ शिक्षा अधिकारी प्रत्येक कक्षा में जाकर छात्रों से संवाद कर उनके अभी तक पढ़ाए गये, विषयों को परखा। विद्यालय मे साफ सफाई पेयजल मध्यान भोजन अध्यापक उपस्थित आदि विन्दुओ को गहनता से जांच किया, जांच के दौरान सब सही मिला। यहा कुल छह शिक्षको की नियुक्ति हैं, बोर्ड परीक्षा के कारण चार लोगों की ड्यूटी लगी हैं। प्रधानाध्यापक सहित शिक्षक अनुपमा सिंह की उपस्थिति रही। मौके पर सब सही देख प्रधानाध्यापक धीरज प्रसाद गौड़ को धन्यवाद प्रेषित किया।

महिला अपराध से बचने के लिए पुलिस ने महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी बाँसी रोहिणी यादव तथा प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार मौर्य थाना शिवनगर डिडई के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति उप निरीक्षक अयोध्या यादव, महिला हेड कांस्टेबल नीलम शुक्ला, महिला पीआरडी केतकी की टीम ने प्राथमिक विद्यालय असनहरा मे मिशन शक्ति/साइबर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहाँ महिला सशक्तिकरण , साइबर जागरूकता व नये कानून के बारे में बताया गया एवं सरकार द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व बहू सम्मेलन अभियान मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया तथा महिला संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में जानकारी दी गई।

अग्निवीर शहीद धीरज गुप्ता को डीएम व एसपी ने दी श्रद्धांजलि

माता को सौंपा गया आवासीय पट्टा प्रमाण पत्र

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। औराई क्षेत्र के जेठूपुर गांव में सोमवार को शहीद अग्निवीर धीरज गुप्ता के आवास पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने शहीद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

अधिकारियों ने शहीद की माता, भाई दीपक व नीरज, बहनों तथा जीजा से घर पर मुलाकात कर उनका ढांढ़स बंधाया। उन्होंने कहा कि जनपद प्रशासन शहीद परिवार के साथ खड़ा है और शासन की ओर से हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

इस दौरान जिलाधिकारी ने शहीद की माता को आवासीय पट्टा का प्रमाण पत्र प्रदान किया। उन्होंने बताया कि अन्य शासकीय योजनाओं के अंतर्गत भी नियमानुसार सहायता दी जाएगी, ताकि परिवार को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मिश्र, पूर्व मंत्री रंगनाथ मिश्रा, पूर्व जिलाध्यक्ष संतोष पांडेय सहित अनेक जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने शहीद धीरज गुप्ता के बलिदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि राष्ट्र उनके त्याग का सदैव ऋणी रहेगा।

लखनऊ में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर डबल डेकर बस पलटी, 5 की मौत, मची- चीखपुकार

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में उस समय हड़कंप मच गया जब एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर गोसाईगंज इलाके में एक डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 16 यात्री घायल बताए जा रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक बस लुधियाना (पंजाब) से दरभंगा (बिहार) जा रही थी। देर रात या तड़के हुए इस हादसे के पीछे प्राथमिक रूप से ड्राइवर को नींद आ जाना वजह माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार में चल रही बस अचानक अनियंत्रित हुई और पलट गई। हादसे के बाद एक्सप्रेस-वे पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय पुलिस और राहत टीमों ने मौके पर पहुंचकर घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

प्रशासन ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हादसे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि बस चालक की लापरवाही के अलावा कोई अन्य तकनीकी कारण तो जिम्मेदार नहीं था। हादसे के बाद कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा, जिसे बाद में सामान्य कर दिया गया। घटना से यात्रियों और उनके परिजनों में शोक की लहर है।

जमीनी विवाद में खूनी संघर्ष! अधिवक्ता की हत्या पर भड़का जिला बार एसोसिएशन, कर दी बड़ी डिमांड

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के गोंडा जिले में कर्नलगंज कोतवाली क्षेत्र में भूमि विवाद में अधिवक्ता सुभाष चंद्र की हत्या के विरोध में सोमवार को वकीलों ने कचहरी से एसपी कार्यालय तक जोरदार प्रदर्शन किया। अधिवक्ताओं ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और लापरवाह पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की है।

अधिवक्ता की दिनदहाड़े हत्या से नाराज जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रविचंद्र त्रिपाठी कहा कि अधिवक्ता की दिनदहाड़े हत्या कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने मांग की कि सभी आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए। घटना में लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इसके बाद अधिवक्ताओं ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन पुलिस अधीक्षक को सौंपा।

आप को बता दें कि जिले के करनैलगंज इलाके में रविवार दोपहर जमीन के विवाद ने अचानक भयावह रूप ले लिया। खेत की जुताई को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद

देखते ही देखते हिंसक टकराव में बदल गया। इस घटना में कई लोग घायल हुए। जबकि एक अधिवक्ता की इलाज के दौरान मौत हो गई।

इस मारपीट में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल जिला मेडिकल कॉलेज गोंडा ले जाया गया। वहां उपचार के दौरान 59 वर्षीय अधिवक्ता सुभाष चंद्र मिश्रा ने दम तोड़ दिया। उनकी मौत की सूचना मिलते ही गांव में शोक और तनाव का माहौल व्याप्त हो गया।

ग्रामीणों का कहना है कि दोनों परिवारों के बीच जमीन की विरासत और बैनामे को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा था। रविवार को वही पुरानी रंजिश हिंसा में बदल गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। कोतवाल नरेंद्र प्रताप राय ने बताया कि मामले की जांच जारी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिले के करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र के सुदई पुरवा गांव में जमीन कबजेदारी को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में प्रथम पक्ष के तीन लोग घायल हो गए जिन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कर्नलगंज में भर्ती कराया गया जिसमें सुभाष चंद्र की हालत नाजुक होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक के परिजन विश्वास चंद्र की तहरीर पर चार नामजद आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। दो को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मौके पर शांति व्यवस्था बनी हुई है। अन्य विधिक कार्रवाई की जा रही है।

भीषण सड़क हादसे में 3 छात्रों की दर्दनाक मौत एक बुरी तरह घायल; परीक्षा देने जा रहे थे सभी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश में रामपुर जिले में एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां पर टांडा क्षेत्र में सोमवार को ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से बाइक सवार तीन छात्रों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल में भर्ती किया।

पुलिस के अनुसार, हाईस्कूल की परीक्षा देने जा रहे चार छात्र टांडा क्षेत्र से दढ़ियाल की ओर बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान आगे चल रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए, जिससे पीछे से आ रहे बाइक सवार छात्र ट्रॉली में जा भिड़े। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीन छात्रों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान अरुण, विनय और मनु के रूप में हुई है।

घायल छात्र बादल का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई गई है। अरुण मूल रूप से मुरादाबाद का निवासी था और फत्तावाला में अपनी नानी के घर रहकर पढ़ाई कर रहा था, जबकि विनय और मनु दढ़ियाल क्षेत्र के निवासी थे। घटनास्थल से पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक और ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में ले लिया है तथा ट्रैक्टर चालक को हिरासत में लिया गया है। पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

थाने के बाहर चप्पल तांडव!

पति ने जमीन पर लिटाकर दबोचा, महिला ने 30 सेकंड में शोहदे पर बरसाए 25 चप्पल और 8 लातें

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के अलीगढ़ जिले से नारी शक्ति का एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसे देखकर मनचलों की रूह कांप जाएगी। गंगीरी थाना क्षेत्र में एक महिला ने बीच सड़क पर छेड़खानी करने वाले युवक की ऐसी तबीयत से धुनाई की कि वहां मौजूद लोग बस देखते रह गए। महिला ने महज 30 सेकंड के अंदर युवक को चप्पलों और लातों से अधमरा कर दिया।

जानकारी के मुताबिक, गंगीरी क्षेत्र की रहने वाली एक महिला को गांव का ही एक युवक पिछले काफी समय से परेशान कर रहा था। शोहदे की हरकतों से तंग आकर महिला अपने पति के साथ शिकायत दर्ज कराने थाने पहुंची थी। किस्मत देखिए कि जैसे ही महिला थाने के पास पहुंची, वही आरोपी युवक वहां से बाइक पर गुजरता दिखाई दिया।

युवक को देखते ही महिला और उसके पति का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। दोनों ने दौड़कर उसे बाइक से नीचे गिरा दिया। पति ने आरोपी के दोनों हाथ कसकर जमीन पर दबा लिए और फिर घूंघट ओढ़े लाल साड़ी वाली

महिला ने चप्पलों की बारिश कर दी। हैरानी की बात यह रही कि वहां मौजूद भीड़ में से किसी ने भी युवक को बचाने की कोशिश नहीं की, बल्कि लोग महिला के साहस की तारीफ करते नजर आए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पिट रहे युवक को हिरासत में ले लिया। क्षेत्राधिकारी संजीव तोमर ने बताया कि युवक महिला को लगातार परेशान कर रहा था, जिससे आक्रोशित होकर महिला ने उसे पीटा है।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। चूंकि महिला ने अभी तक कोई औपचारिक लिखित तहरीर नहीं दी है, इसलिए फिलहाल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शांतिभंग की धाराओं में चालान कर कार्रवाई की है।

मिट्टी खुदाई बनी काल! खनन के दौरान टीला ढहने से मलबे में 3 महिलाओं की मौत कई लोगों के लिए राहत-बचाव कार्य जारी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के सोनभद्र जिले के म्योरपुर क्षेत्र में सोमवार की सुबह खुदाई के दौरान मिट्टी का विशाल टीला ढह जाने से उसमें दबकर तीन महिलाओं की मौत हो गई तथा दो अन्य घायल हो गईं। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने बताया कि म्योरपुर थाना क्षेत्र में छह महिलाएं किरवानी गांव के जंगल में कच्चे घरों की लिपाई, पोताई में काम आने वाली मिट्टी लेने के लिए गई थीं। उन्होंने बताया कि महिलाएं मिट्टी के एक टीले के पास खुदाई कर रही थीं तभी अचानक टीला ढह गया और महिलाएं मिट्टी में दब गईं।

घटना की सूचना मिट्टी खोदने गई एक महिला ने ही ग्रामीणों को दी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से पांच महिलाओं को बाहर निकालकर तत्काल अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उनमें से तीन को मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान सदीकुन्निशा (30), अनीसा खातून (20) और सीता कुंवर (28) के रूप में हुई है। वर्मा ने बताया कि पुलिस ने इस सिलसिले में आवश्यक कार्यवाही की है।

यादव जी की लव स्टोरी' पर बवाल, विरोध में उतरा समाज, टॉकीज जलाने की चेतावनी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रस्तावित फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। फिल्म के विरोध में विश्व यादव परिषद और स्थानीय यादव समाज के लोगों ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि फिल्म के नाम और कथानक से समाज की छवि धूमिल हो सकती है। इसे लेकर उन्होंने शहर में रोड शो निकालकर नारेबाजी की और फिल्म के खिलाफ अपना आक्रोश जताया। प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों ने चेतावनी दी कि यदि फिल्म रिलीज की गई तो संबंधित टॉकीज के बाहर उग्र विरोध किया जाएगा। यहां तक कि टॉकीज को जलाने जैसी धमकी भी दी गई, जिससे प्रशासन सतर्क हो गया है।

बाद में प्रदर्शनकारी जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने प्रशासन से फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने और मामले की जांच कराने की मांग की।प्रशासन ने ज्ञापन लेकर मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। वहीं, कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस निगरानी बढ़ा दी गई है। फिलहाल शहर में स्थिति सामान्य बताई जा रही है, लेकिन मुद्दे को लेकर तनाव बना हुआ है।

गौरतलब है कि इस फिल्म को लेकर पूर्व भाजपा विधायक अजीत कुमार राजू यादव ने साथियों सहित प्रदर्शन किया। उन्होंने जिला मजिस्ट्रेट को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें फिल्म की रिलीज रोकने की मांग की गई। पुलिस ने बीएनएस की प्रासंगिक धाराओं के तहत फिल्म के निर्माता, निर्देशक और मुख्य अभिनेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया था, जिसमें शिकायत की गई है कि फिल्म की विषयवस्तु से समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचा सकती है और सामाजिक सद्भाव बिगड़ने की आशंका जताई। भाजपा नेता यादव ने आरोप लगाया कि फिल्म में कुछ पात्रों को आपत्तिजनक तरीके से चित्रित किया गया है। उन्होंने कहा, "हमारी मांग है कि यह फिल्म रिलीज नहीं होनी चाहिए।

क्रैश नहीं हुआ था तेजस विमान एचएएल ने हादसे को लेकर दी सफाई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय वायुसेना के एलसीए तेजस फाइटर जेट के कथित क्रैश को लेकर चल रही अटकलों के बीच हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने स्थिति स्पष्ट की है। कंपनी ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा है कि तेजस विमान दुर्घटनाग्रस्त नहीं हुआ, बल्कि लैंडिंग के दौरान रनवे पर मामूली तकनीकी खराबी आई थी, जिसे कुछ मीडिया रिपोर्टों में गलत तरीके से 'क्रैश' बताया गया।

भारतीय वायुसेना के हल्के लड़ाकू विमान तेजस को लेकर हाल ही में सामने आई क्रैश की खबरों पर हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने आधिकारिक प्रतिक्रिया दी है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि तेजस विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबरें पूरी तरह निराधार हैं और ऐसी कोई घटना नहीं हुई है। एचएएल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी बयान में कहा कि कुछ मीडिया रिपोर्टों में तेजस फाइटर जेट के क्रैश की बात कही गई थी, जबकि वास्तविकता यह है कि विमान के साथ जमीन पर

लैंडिंग के दौरान एक मामूली तकनीकी समस्या आई थी। कंपनी ने साफ किया कि इसे दुर्घटना या क्रैश कहना गलत है।

कंपनी के अनुसार, एलसीए तेजस विश्वस्तरीय तकनीक से लैस लड़ाकू विमान है और इसका सुरक्षा रिकॉर्ड काफी बेहतर रहा है। मानक प्रक्रियाओं के तहत इस तकनीकी गड़बड़ी की विस्तृत जांच की जा रही है। एचएएल और भारतीय वायुसेना मिलकर मामले की समीक्षा कर रहे हैं, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति से बचा जा सके। दरअसल, सोशल मीडिया पर यह अफवाह फैली थी कि 7 फरवरी को पाकिस्तान सीमा के पास स्थित एक फॉरवर्ड एयरबेस पर प्रशिक्षण उड़ान के बाद लैंडिंग के दौरान तेजस जेट दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह भी दावा किया गया कि पायलट ने इजेक्ट कर अपनी जान बचाई। हालांकि एचएएल ने इन सभी दावों को सिरे से खारिज कर दिया है।

गौरतलब है कि पिछले दो वर्षों में तेजस से जुड़े दो अलग-अलग हादसे सामने आए थे। मार्च 2024 में राजस्थान के जैसलमेर में एक तेजस विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, जिसमें पायलट सुरक्षित बाहर निकल आया था। वहीं, 2025 में दुबई एयर शो के दौरान एक और हादसा हुआ था, जिसमें पायलट की मृत्यु हो गई थी। उस घटना की जांच अब भी जारी है। वर्तमान में भारतीय वायुसेना के बेड़े में 38 तेजस विमान सेवा में हैं। लगभग 80 विमानों का निर्माण जारी है, जिनमें से 10 विमान डिलीवरी के लिए तैयार बताए गए हैं। वायुसेना ने 180 तेजस एमके-1ए लड़ाकू विमानों का ऑर्डर दिया है, हालांकि उनकी आपूर्ति तय समय से करीब दो वर्ष विलंबित बताई जा रही है।

तमिलनाडु चुनाव से पहले अभिनेता विजय का दावा- मेरे खिलाफ सभी पार्टियां एकजुट हो गई हैं

चेन्नई। तमिलनाडु के लोगों के साथ अपने रिश्ते को 'खून-मांस' का बताते हुए, तमिलगा वेट्री कज़गम के प्रमुख विजय ने सोमवार को कहा कि ऐसा लगता है कि राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों में सभी पार्टियां उनके खिलाफ एकजुट हो गई हैं। वेल्लोर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, टीवीके प्रमुख ने कहा कि आगामी चुनाव राज्य के लोगों के लिए भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई होगी।

विजय ने कहा कि यह ऐसा चुनाव है जो 50 साल में एक बार आता है। इस चुनाव में, सभी विजय का विरोध करने के लिए एकजुट हो गए हैं। यह तमिलनाडु के लोगों के लिए भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग है। राजनीति में आने से पहले आपकी क्या संपत्ति थी? राजनीति में आने के बाद आपकी क्या संपत्ति है? हर राजनेता को इसका जवाब देना चाहिए। अगर आप मेरा अपमान करते हैं, तो यह जनता का अपमान करने जैसा है। विजय और जनता खून-मांस से जुड़े हैं।

शासन संबंधी मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कई पहाड़ी गांवों में बस सेवाओं और अस्पतालों सहित बुनियादी सुविधाओं की कमी की ओर इशारा किया। उन्होंने सत्ताधारी डीएमके सरकार के सुरक्षित रहो मॉडल की आलोचना करते हुए दावा किया कि महिलाएं वर्तमान में इसे 'हम सुरक्षित नहीं हैं मॉडल' के रूप में देखती हैं। टीवीके प्रमुख ने आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी की सरकार के तहत कानून व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा और महिलाएं, पुरुष और बच्चे सुरक्षित जीवन जी सकेंगे।

विजय ने डीएमके के नेतृत्व वाली सरकार पर तमिलनाडु में 'नकली आदर्श' प्रशासन चलाने का आरोप लगाया और उन्हें 'स्टैंड-अप कॉमेडी' कहकर उनका मज़ाक उड़ाया। वेल्लोर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए विजय ने कहा कि राज्य में राजनीतिक लड़ाई टीवीके और डीएमके के बीच है। तमिलनाडु ही विजय है, विजय ही तमिलनाडु है पर ज़ोर देते हुए, टीवीके नेता ने असम के पूर्व मुख्यमंत्री डीके बरोआ के प्रसिद्ध कथन का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था, 'भारत ही इंदिरा है, इंदिरा ही भारत है', और

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की राजनीतिक विरासत की प्रशंसा की थी।

विजय ने कहा कि तमिलनाडु चुनावों में मुकाबला विजय और स्टालिन सर के बीच है। तमिलनाडु ही विजय है, विजय ही तमिलनाडु है। युद्ध टीवीके और डीएमके के बीच है। आज एक नकली आदर्श सरकार है। तमिलनाडु में एक स्टैंड-अप कॉमेडी राज्य सरकार चल रही है। यह चुनाव ऐतिहासिक होगा, और यह एक चमत्कारिक चुनाव होगा। अभिनेता से राजनेता बने विजय ने लोगों से टीवीके के पार्टी चिन्ह 'सीटी' को वोट देने का आग्रह किया और कहा कि कोई भी जनता के अधिकार को उनसे छीन नहीं सकता। विजय ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर झूठे वादे करने का आरोप लगाया और वादा किया कि राज्य में उनकी पार्टी की सरकार बनने पर वे राज्य के हर नागरिक से व्यक्तिगत रूप से मिलेंगे।

जयपुर के जल महल पर आईएएफ का जलवा सूर्यकिरण-सारंग टीम ने दिखाए हैरतअंगेज स्टंट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। इंडियन एयर फ़ोर्स की सूर्यकिरण और सारंग टीमों ने रविवार को राजस्थान के जयपुर में जल महल में एक रोमांचक एरोबेटिक शो किया। एयर मार्शल तेजिंदर सिंह ने बताया कि सारंग दुनिया की इकलौती क्लोज-फॉर्मेशन एरोबेटिक हेलीकॉप्टर टीम है, जबकि सूर्यकिरण हॉक एयरक्राफ्ट उड़ाती है। उन्होंने कहा कि सारंग पूरी दुनिया में हेलीकॉप्टरों की इकलौती क्लोज-फॉर्मेशन एरोबेटिक टीम है। सूर्यकिरण टीम हॉक एयरक्राफ्ट उड़ाती है। हमारा मकसद देश के छोटे से लेकर बड़े इलाकों में परफॉर्म करना और ज़्यादा से ज़्यादा लोगों से जुड़ना है। हमारे पास पूरे भारत में परफॉर्मेंस का कैलेंडर है, और यह अभी शुरू हुआ है।

अजमेर के सीएम भजनलाल शर्मा ने सूर्यकिरण और सारंग टीमों के एरोबेटिक शो में हिस्सा लिया और एयर फ़ोर्स के जवानों की कोशिशों की तारीफ़ की। यह शो आईएएफ के आउटरीच प्रोग्राम का हिस्सा है जिसका मकसद लोगों से जुड़ना और अपनी एरोबेटिक टीमों की स्किल्स और काबिलियत दिखाना है। सूर्यकिरण टीम ने उल्टे रन, बैरल रोल और डीएनए स्ट्रक्चर और दिल जैसे फ़ॉर्मेशन जैसे करतब दिखाए, जबकि सारंग टीम ने एरोहेड, डॉल्फ़िन लीप और डायमंड पैटर्न दिखाए। टीमों का मकसद युवाओं को आर्म्ड फ़ोर्स में शामिल होने और देश के गौरव को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करना था। इससे पहले, 21 फरवरी को राजस्थान के मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौर ने जल महल में इंडियन एयर फ़ोर्स के सूर्यकिरण और सारंग एरोबेटिक शो को राज्य के युवाओं के लिए गर्व और प्रेरणा का पल बताया था। सिंह ने कहा, 'ये हमारे युवा हैं, हमारे नौजवान हैं। जैसा कि आपने देखा, जयपुर के रहने वाले तीन योद्धा ये हवाई जहाज उड़ा रहे थे। उन्होंने यहीं स्कूल में पढ़ाई की है। उन्होंने जो करतब दिखाए हैं, हवाई लड़ाई में जो हुनर दिखाया है, जिस तरह सारंग हेलीकॉप्टर आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक है, और जिस तरह की लड़ाई का तरीका उन्होंने हम सबके सामने दिखाया है, वह कई युवाओं को प्रेरित करेगा।

चिकित्सा पर्यटन के लिए अपने पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत कर रहा भारत : जेपी नड्डा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने सोमवार को कहा कि भारत अपने मंत्रालयों, नियामक प्राधिकरणों, प्रत्यायन एजेंसियों और राज्य सरकारों के बीच समन्वय को सुव्यवस्थित करके चिकित्सा पर्यटन का समर्थन करने वाले पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर काम कर रहा है। स्वास्थ्य मंत्री यहां भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) द्वारा आयोजित 'एडवांटेज हेल्थ केयर इंडिया' सम्मेलन को वर्चुअल माध्यम से संबोधित कर रहे थे। नड्डा ने कहा कि सरकार चिकित्सा यात्रा को सहयोग के एक ऐसे माध्यम के रूप में देखती है जो विश्वास पैदा करता है और देशों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करता है। उन्होंने कहा, "चिकित्सा संबंधी यात्राएं विश्व के साथ भारत की स्वास्थ्य सेवा संबंधी भागीदारी का एक महत्वपूर्ण आयाम हैं। यह हमारी नैदानिक उत्कृष्टता, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित मानकों, पारदर्शी शासन ढांचे और रोगी-केंद्रित देखभाल के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।"

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज के भारत में उच्च कौशल प्राप्त चिकित्सा पेशेवरों और आधुनिक स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना की बदौलत हृदय रोग विज्ञान, कर्क रोग विज्ञान, अंग प्रतिरोपण, ऑर्थोपेडिक्स और तंत्रिका विज्ञान सहित कई विशिष्टताओं में उन्नत उपचार उपलब्ध हैं। नड्डा ने विश्वास व्यक्त किया कि यह सम्मेलन हितधारकों को आपसी जुड़ाव को गहरा करने और सहयोग के नए क्षेत्रों का पता लगाने का अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों और हितधारकों को सार्थक सहयोग बनाने और भारत द्वारा एक भरोसेमंद एवं विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवा भागीदार के रूप में पेश की जाने वाली विशाल क्षमता का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया।

राहुल गांधी के समर्थन में उतरे मुख्यमंत्री उमर

कहा-भाजपा का मुकाबला करने में उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी

श्रीनगर **(एजेंसी)**। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन की किसी भी बैठक में इसके नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर अब तक कोई चर्चा नहीं हुई है और उन्होंने राहुल गांधी का समर्थन करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता ने भाजपा का मुकाबला करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा है। वह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर की उस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) प्रमुख एम.के. स्टालिन 'इंडिया' गठबंधन का संयोजक बनने के लिए "सबसे उपयुक्त" हैं।

अब्दुल्ला ने यहां संवाददाताओं से कहा कि 'इंडिया' गठबंधन की अब तक ऐसी कोई बैठक नहीं हुई है। उन्होंने कहा, "इसलिए, मुझे नहीं पता कि इसे किस संदर्भ में कहा जा रहा है।" मुख्यमंत्री ने कहा कि अय्यर ने अपनी निजी राय दी है और उन्हें ऐसा करने का पूरा अधिकार है। नेकां उपाध्यक्ष ने कहा, "कोई यह नहीं कह सकता कि उन्हें अपनी राय देने का अधिकार नहीं है। लेकिन, जब निर्णय लिया जाएगा, तो वह 'इंडिया' गठबंधन द्वारा लिया जाएगा और सभी (घटक दल) इस पर चर्चा करेंगे। नेतृत्व को लेकर अब तक 'इंडिया' गठबंधन की किसी भी बैठक में कोई चर्चा नहीं हुई है।"

यह पूछे जाने पर कि क्या उनकी पार्टी नेतृत्व परिवर्तन का समर्थन करती है, तो उन्होंने कहा कि हालांकि नेतृत्व के मुद्दे पर पहले गठबंधन के भीतर आंतरिक रूप से चर्चा होनी चाहिए, लेकिन राहुल गांधी ने भाजपा और सरकार से लड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। उन्होंने कहा, "मुझे बताइए, राहुल गांधी ने भाजपा से लड़ने में क्या कसर छोड़ी है? उन्होंने लगातार भाजपा का विरोध किया है और हर मुद्दे पर भाजपा और सरकार को निशाना बनाया है। यही विपक्ष के नेता का काम होता है। राहुल गांधी से आप और क्या चाहते हैं?" मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सच है कि कभी-कभी कांग्रेस पार्टी चुनाव में सफल नहीं होती, "लेकिन 'इंडिया' गठबंधन का काम सरकार को घेरना और भाजपा का विरोध करना है।" उन्होंने कहा, "कोई मुझे बताए कि राहुल गांधी ने ऐसा करने में क्या कोई कसर छोड़ी है?"

टी20 विश्व कप : दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद बिगड़ा टीम इंडिया का खेल, अब नेट रन रेट का गणित ही बचाएगा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत को न सिर्फ दक्षिण अफ्रीका से 76 रनों से हार का सामना करना पड़ा, बल्कि उसे वास्तविकता का भी सामना करना पड़ा। उसे यह एहसास हुआ कि शायद उसकी बल्लेबाजी की ताकत ऐसी पिचों के लिए तैयार नहीं थी। शायद पिछली द्विपक्षीय श्रृंखलाओं में उसने कभी ऐसी परिस्थितियों का सामना नहीं किया था। इसके साथ ही प्रबल दावेदार मानी जा रही भारत की किस्मत 2026 टी20 विश्व कप के सुपर 8 दौर में दक्षिण अफ्रीका से मिली करारी हार के बाद पूरी तरह पलट गई है।

मौजूदा चैंपियन भारत के पक्ष में इतिहास और हालिया प्रदर्शन था, लेकिन अहमदाबाद में दक्षिण अफ्रीका ने उन्हें पछाड़ते हुए अहम अंक हासिल किए और सेमीफाइनल की दौड़ में अपनी बढ़त बनाने के लिए नेट रन रेट को जबरदस्त बढ़ावा दिया। टी20 विश्व कप के दूसरे दौर के लिए आठ टीमें क्वालीफाई कर चुकी हैं और उन्हें दो समूहों में बांटा गया है। ग्रुप 1 में भारत, दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज सहित चार टीमें हैं, जबकि ग्रुप 2 में इंग्लैंड, श्रीलंका, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान शामिल हैं।

दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप 1 में दो अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है और उसका राष्ट्रीय स्कोर 3.8 का शानदार है। भारत इस समय सबसे निचले पायदान पर है और उसका राष्ट्रीय स्कोर -3.8 है। हां, दक्षिण अफ्रीका के आगे निकलने के बावजूद मुकाबला अभी भी खुला है। हालांकि, आगे बढ़ने के लिए भारत को जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज को हराना होगा, और वह भी बड़े अंतर से, ताकि अगर कई टीमें बराबर अंकों पर खत्म हों और नतीजा राष्ट्रीय स्कोर पर निर्भर करे, तो भारत के पास आगे निकलने के लिए पर्याप्त अंक हों।

इस विश्व कप से पहले कई द्विपक्षीय श्रृंखलाओं में भारत एक के बाद एक प्रतिद्वंद्वी टीमों को बुरी तरह हरा रहा था। भारत मजे के लिए 220 से अधिक के स्कोर बना रहा था। वे मजे के लिए लक्ष्य का पीछा कर रहे थे। लेकिन यह मजा शायद एक भ्रम था, जो इस विश्व कप में मिलने वाली चुनौतियों के लिए शायद पर्याप्त नहीं था। टूर्नामेंट से पहले खेले गए अपने आखिरी कुछ मैचों में भारत ने जिन पिचों पर खेला, वे सभी सपाट थीं और रनों से भरी हुई थीं।

भारत ने अपने पिछले छह मैचों में से चार में 200 से अधिक रन बनाए हैं, जिनमें से तीन में उसने पहले बल्लेबाजी की है। अहमदाबाद में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 231/5, न्यूजीलैंड के खिलाफ 238/7 और न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 271/5 रन बनाए। उन्होंने 209 रनों का लक्ष्य 28 गेंद शेष रहते और 154 रनों का लक्ष्य 10 ओवर शेष रहते हासिल कर लिया।

दक्षिण अफ्रीका से हार पर भड़के गावस्कर कहा- टीम इंडिया का अति आत्मविश्वास ले डूबा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए टी20 विश्व कप के मैच से सबक लेकर अपने अहं का त्याग करना चाहिए और अति आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरकर हर गेंद को बाउंड्री लाइन के बाहर भेजने के बजाय परिस्थितियों के अनुसार खेलना चाहिए। भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बल्लेबाजों की नाकामी के कारण सुपर आठ के महत्वपूर्ण मुकाबले में 76 रन से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा।

गावस्कर ने जिओ स्टार से कहा, ''भारतीय बल्लेबाजों को ब्रेविस और मिलर की साझेदारी से सीख लेकर इस तरह का दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत थी। भारतीय बल्लेबाजों ने ऐसा नहीं किया। वे अति आत्मविश्वास के साथ उतरे, हर गेंद पर बल्ला चलाया और विकेट गंवा दिए। दक्षिण अफ्रीका खेल के हर विभाग में भारत से अव्वल साबित हुआ।'' दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और एक समय उसका स्कोर तीन विकेट पर 20 रन था लेकिन इसके बाद मिलर और ब्रेविस ने 97 रन की साझेदारी की जिससे दक्षिण अफ्रीका सात विकेट पर 187 रन बनाने में सफल रहा।

इसके जवाब में भारतीय टीम 18.5 ओवर में 111 रन पर आउट हो गई। गावस्कर ने कहा, ''भारत ने दक्षिण अफ्रीका से कोई सबक नहीं लिया। भारतीय बल्लेबाज क्रीज पर उतर कर हर गेंद को बाउंड्री लाइन के बाहर पहुंचाने का प्रयास कर रहे थे। टी20 क्रिकेट ऐसे नहीं खेला जाता।'' उन्होंने कहा, ''आपको विपक्षी टीम से सीख लेनी चाहिए थी। अगर उन्होंने इस तरह की मुश्किल पिच पर अच्छा स्कोर किया है तो आपको अपना अहं त्यागकर उनकी पारी का विश्लेषण करना चाहिए था और परिस्थितियों के अनुसार बल्लेबाजी करनी चाहिए थी।''

भारत ने पावर प्ले के अंदर अपने शीर्ष तीन बल्लेबाजों ईशान किशन (00), अभिषेक शर्मा (15) और तिलक वर्मा (01) के विकेट गंवा दिये थे। गावस्कर ने कहा, ''तिलक वर्मा बेहद चतुर बल्लेबाज है लेकिन इस मैच में उनके खेलने के तरीके से मैं निराश था। तिलक को क्रीज पर कुछ समय बिताना चाहिए था। उन्हें साझेदारी निभाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए था।'' भारत का अगला मुकाबला जिंबॉब्वे से होगा और गावस्कर ने कहा कि वह अक्षर पटेल को अंतिम एकादश में देखना चाहते हैं। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अक्षर पटेल की जगह वाशिंगटन सुंदर को मौका दिया।

लग्जरी हाउसिंग में गुरुग्राम अव्वल, 24, 120 करोड़ की बिक्री के साथ मुंबई को पछाड़ा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। गुरुग्राम में 10 करोड़ रुपये या उससे अधिक कीमत वाले लक्जरी घरों की बिक्री 2025 में मूल्य के हिसाब से 80 प्रतिशत बढ़कर 24, 120 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। मूल्य के लिहाज से गुरुग्राम ने मुंबई को पीछे छोड़ दिया है। एक रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। रियल एस्टेट सलाहकार 'इंडिया सॉथबीज इंटरनेशनल रियल्टी' (आईएसआईआर) और डेटा विश्लेषक कंपनी सीआरई मैट्रिक्स द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) स्थित गुरुग्राम ने 10 करोड़ रुपये और उससे अधिक कीमत वाले मकानों की बिक्री के कुल मूल्य के मामले में मुंबई को पीछे छोड़ दिया।

इस श्रेणी में गुरुग्राम में 24, 120 करोड़ रुपये के, जबकि मुंबई में 21, 902 करोड़ रुपये के घरों की बिक्री हुई। आंकड़ों के मुताबिक, गुरुग्राम में 10 करोड़ रुपये और उससे अधिक कीमत वाले लक्जरी घरों की बिक्री पिछले कैलेंडर वर्ष में लगभग तीन गुना होकर 1, 494 इकाई पर पहुंच गई, जो 2024 में 519 इकाई रही थी। मूल्य के आधार पर बिक्री 2024 के 13, 384 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025 में 24, 120 करोड़ रुपये हो गई। रिपोर्ट कहती है, '' मुंबई पारंपरिक रूप से देश का सबसे महंगा रियल एस्टेट बाजार रहा है, लेकिन 2025 के दौरान 10 करोड़ रुपये और उससे अधिक कीमत वाले लक्जरी घरों की कुल बिक्री के मूल्य के मामले में गुरुग्राम उससे आगे निकल गया।''

इंडिया सॉथबीज इंटरनेशनल रियल्टी की निदेशक (एरिया) टीना तलवार ने कहा, '' खास बात यह है कि यह वृद्धि अब केवल पुराने प्रतिष्ठित इलाकों तक सीमित नहीं है। द्वारका एक्सप्रेसवे, गोल्फ कोर्स रोड और गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड जैसे उभरते बाजार सामूहिक रूप से संरचनात्मक विस्तार को गति दे रहे हैं जिसे बुनियादी ढांचे में सुधार, बेहतर परियोजनाओं की पेशकश और बेहतर संपर्क का समर्थन मिल रहा है।''

सीआरई मैट्रिक्स के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अभिषेक किरण गुप्ता ने कहा कि पिछले दो साल में लक्जरी खंड में लगभग 10 गुना वृद्धि से खरीदारों का सतत भरोसा, मजबूत पूंजी प्रवाह और उच्च संपदा वाले व्यक्तियों (एचएनआई) की बढ़ती संख्या का संकेत मिलता है।

'इंडियन ओपन रेस वॉक'
पंजाब के साहिल का बड़ा उलटफेर, ओलिंपियन परमजीत-अक्षदीप को पछाड़कर जीता स्वर्ण

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पंजाब के खिलाड़ी साहिल ने 'इंडियन ओपन रेस वॉक' प्रतियोगिता के अंतिम दिन रविवार को यहां पुरुष हाफ मैराथन में अपने से अधिक चर्चित प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। मनोरम सुखना झील कोर्स पर रोमांचक मुकाबले में 24 वर्षीय साहिल ने तमिलनाडु के अनुभवी सर्विन सेबेस्टियन की कड़ी चुनौती को पीछे छोड़ते हुए 21 किलोमीटर की दूरी को एक घंटा 25 मिनट 48 सेकंड में पूरा कर पहला स्थान हासिल किया।

सेबेस्टियन ने 1:25:50.00 के समय के साथ रजत पदक जीता, जबकि हरियाणा के हरदीप ने 1:26:03.00 का समय लेकर कांस्य पदक अपने नाम किया। पेरिस ओलंपियन परमजीत सिंह बिष्ट (उत्तराखंड) 1:26:07.00 के समय के साथ चौथे स्थान पर रहे। बीस किमी पैदल चाल के ओलंपियन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक पंजाब के अक्षदीप सिंह सातवें स्थान पर रहे। उन्होंने 1:27:37.00 का समय लिया। दिल्ली के एक अन्य प्रमुख एथलीट विकास सिंह 1:30:41.00 के समय के साथ 10वें स्थान पर रहे, जबकि उत्तराखंड के सूरज पंवार दौड़ पूरी नहीं कर सके।

महिलाओं की 21 किमी स्पर्धा का खिताब हरियाणा की अनुभवी खिलाड़ी रवीना ने जीता। इस 29 वर्षीय खिलाड़ी ने उत्तर प्रदेश की 24 वर्षीय मुनीता प्रजापति और उत्तराखंड की 23 वर्षीय मानसी नेगी को पछाड़ते हुए 1:39:15.00 के समय के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। मुनीता ने 1:39:26.00 के समय के साथ रजत पदक जीता, जबकि कांस्य पदक मानसी नेगी को 1:42:58.00 के समय के साथ मिला। हाल ही में सीनियर वर्ग में कदम रखने वाली हरियाणा की उभरती किशोर एथलीट और विश्व अंडर-20 पदक विजेता आरती 1:43:15.00 के समय के साथ चौथे स्थान पर रहीं।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक धोखाधड़ी
590 करोड़ की धोखाधड़ी से निवेशकों में हाहाकार, शेयर बाजार में शेयर क्रैश

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। हरियाणा सरकार के एक डिपार्टमेंट से अकाउंट बंद करने के एक रूटीन रिक्वेस्ट ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की अब तक की सबसे गंभीर फ्रॉड जांच शुरू कर दी है। जो एक सिंपल बैलेंस चेक से शुरू हुआ था, वह अब 590 करोड़ रुपये के रिकंसिलिएशन एक्सरसाइज, एक रेगुलेटरी डिस्क्लोजर, बैंक के सबसे ऊंचे लेवल पर कई इंटरनल मीटिंग और लेंडर के स्टॉक में तेज बिकवाली में बदल गया है।

पहला अलर्ट तब आया जब हरियाणा के एक डिपार्टमेंट ने बैंक से अपना अकाउंट बंद करने और फंड कहीं और ट्रांसफर करने को कहा। उस रिक्वेस्ट को प्रोसेस करते समय, बैंक को पता चला कि डिपार्टमेंट द्वारा रिकॉर्ड की गई रकम उसकी अपनी बुक्स में दिखाए गए बैलेंस से मैच नहीं करती थी। उस एक गड़बड़ी की वजह से अंदर ही अंदर गहरी जांच की गई। अगले कुछ दिनों में, 18 फरवरी से, हरियाणा सरकार की कई और कंपनियों ने इसी तरह की चिंताओं के साथ बैंक से संपर्क किया। हर एक ने ऐसे बैलेंस का दावा किया जो बैंक के सिस्टम में दिखाए गए बैलेंस से अलग था।

एक शुरुआती इंटरनल असेसमेंट से पता चला कि गड़बड़ियां बैंक की चंडीगढ़ ब्रांच में हरियाणा सरकार से जुड़े अकाउंट्स के एक खास क्लस्टर में थीं। स्टॉक एक्सचेंज में फाइल किए गए फॉर्मल डिस्क्लोजर के अनुसार, बैंक का मानना है कि यह समस्या ब्रांच के दूसरे कस्टमर्स तक नहीं फैली है। रिकंसिलिएशन के तहत संदिग्ध रकम लगभग 590 करोड़ रुपये है, हालांकि बैंक ने कहा है कि आखिरी असर रिकवरी, इंश्योरेंस, क्लेम के वैलिडेशन और कानूनी प्रोसेस पर निर्भर करेगा।

बैंक की स्थिति को तुरंत कंट्रोल करने की कोशिश के बावजूद, एक्सचेंज के डिस्क्लोजर पब्लिश करने के बाद इन्वेस्टर्स ने तीखी प्रतिक्रिया दी। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के शेयर लगभग 20इ गिर गए। अचानक आई गिरावट गवर्नेंस में चूक, सरकारी अकाउंट्स के शामिल होने और संदिग्ध फ्रॉड के साइज़ को लेकर गहरी चिंता को दिखाती है। एक ऐसे लेंडर के लिए जिसने पिछले कुछ सालों में खुद को डिसिप्लिन्ड और सख्ती से गवर्नेंस वाला बताया है।

बिटकॉइन-पाई नेटवर्क में बड़ी गिरावट
24 घंटे में 7.26 लाख करोड़ स्वाहा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सोमवार को जहां भारतीय शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली, वहीं क्रिप्टोकरेंसी बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। पिछले 24 घंटे में ग्लोबल क्रिप्टो मार्केट कैप करीब 4इ गिरकर 2.25 ट्रिलियन डॉलर पर आ गया। इस दौरान निवेशकों को लगभग 0.08 ट्रिलियन डॉलर (करीब 7.26 लाख करोड़ रुपए) का नुकसान हुआ।

गिरावट की मार प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी पर भी पड़ी। बिटकॉइन 5इ टूटकर 65, 000 डॉलर के नीचे चला गया। वहीं 'भविष्य का बिटकॉइन' कहे जाने वाले पाई नेटवर्क कॉइन में 7इ की गिरावट दर्ज की गई।

दोपहर 12:30 बजे के आसपास बिटकॉइन 3इ से अधिक की गिरावट के साथ 65, 790 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। इथेरियम करीब 5इ टूटकर 1, 880 डॉलर पर पहुंच गया, जबकि रिपल 4इ गिरकर 1.36 डॉलर पर ट्रेड कर रहा था। पाई नेटवर्क भी 5इ से अधिक फिसलकर 0.1580 डॉलर पर आ गया। क्रिप्टो बाजार में कमजोरी की मुख्य वजह वैश्विक अनिश्चितता रही। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा टैरिफ रद्द किए जाने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने सप्ताहांत में लगभग सभी देशों पर 15इ फ्लैट टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी। एशियाई बाजारों ने इस फैसले पर नकारात्मक प्रतिक्रिया दी, जिसका असर क्रिप्टो पर भी पड़ा।

विशेषज्ञों के अनुसार, गिरावट की वजह सिर्फ टैरिफ नहीं है। क्रिप्टो ईटीएफ से लगातार हो रहे आउटफ्लो ने भी बाजार पर दबाव बढ़ाया है। हालांकि ऑन-चेन डेटा से संकेत मिलते हैं कि बड़े निवेशक (व्हेल्स) गिरावट के दौरान खरीदारी कर रहे हैं, जिससे बाजार में आंशिक स्थिरता देखने को मिल सकती है।

गलत तरीके से बीमा उत्पाद बेचने के बजाय अपने मुख्य कारोबार पर ध्यान दें बैंक : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकों को बीमा सहित वित्तीय उत्पादों की गलत तरीके से बिक्री पर कड़ा रुख अपनाते हुए सोमवार को कहा कि यह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत एक अपराध है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के केंद्रीय निदेशक मंडल को बजट के बाद संबोधित करने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत में सीतारमण ने कहा, '' बैंकों को अपने मुख्य कारोबार पर ध्यान देना चाहिए। मैंने हमेशा से इस बात पर आपत्ति जताई है कि आप उस बीमा को बेचने में अधिक समय लगा रहे हैं जिसकी आवश्यकता ही नहीं है और यह मामला आरबीआई और इरेडा के बीच फंसा रहा।''

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ग्राहक को भ्रामक जानकारी देकर उत्पाद की बिक्री पर दिशानिर्देशों का मसौदा 11 फरवरी को जारी किया था। इसमें कहा गया है कि यदि किसी ग्राहक को गलत तरीके से उत्पाद या सेवा दी जाती है, तो बैंक को ग्राहक द्वारा चुकाई गई पूरी राशि लौटानी होगी और

स्वीकृत नीति के अनुसार हुए नुकसान की भरपाई भी करनी होगी। इस पर चार मार्च तक सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी गई हैं। आरबीआई ने कहा कि गलत तरीके से बिक्री पर कड़े नियम एक जुलाई से लागू होंगे।

सीतारमण ने कहा, ''मुझे खुशी है कि आरबीआई यह स्पष्ट मार्गदर्शन दे रहा है कि गलत तरीके से बिक्री क्यों बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संदेश, बैंकों तक जाना चाहिए कि आप गलत बिक्री नहीं कर सकते। यह भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध है।'' उन्होंने कहा कि कई मामलों में बैंक ग्राहकों को बीमा उत्पाद खरीदने के लिए कहते हैं जबकि उनके पास पहले से आवश्यक बीमा होता है। आरबीआई यह सोचकर ऐसे मामलों की निगरानी नहीं कर रहा था कि यह बीमा नियामक के दायरे में आता है।

भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरेडा) का मानना था कि बैंक उसके प्रत्यक्ष नियमन में नहीं आते। इस नियामकीय अंतर के कारण ग्राहकों को नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जब कोई व्यक्ति अपनी संपत्ति गिरवी रखकर गृह ऋण लेता है, तो उससे अतिरिक्त बीमा लेने को क्यों कहा जाता है जबकि जोखिम पहले से 'कवर' होता है। सीतारमण ने दोहराया कि बैंकों को अपने ग्राहकों की जरूरतों, उनकी वित्तीय स्थिति एवं कारोबारी चक्र को समझने पर ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बैंकों का मुख्य कार्य जमा जुटाना एवं ऋण देना है। गैर-बैंकिंग उत्पाद बेचने के बजाय उन्हें कम लागत वाली जमा या कासा (चालू खाता बचत खाता) आधार को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए। इस बीच, आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि बैंकिंग प्रणाली में जमा वृद्धि लगभग 12.5 प्रतिशत है जबकि ऋण वृद्धि दर 14.5 प्रतिशत के आसपास है।

उद्यमियों को प्रोत्साहन मिले तो भारत बन सकता है नंबर-1 : अनिल अग्रवाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने सोमवार को कहा कि परोपकारी सोच वाली उद्यमिता और सरकार के सहयोग से भारत दुनिया में नंबर-1 बन सकता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए वर्तमान समय बिल्कुल अनुकूल है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में अग्रवाल ने अमेरिका के विकास का उदाहरण देते हुए उद्यमियों की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने हिस्ट्री चैनल की एक श्रृंखला का उल्लेख किया, जिसमें अमेरिका के निर्माण में राजनेताओं या वैज्ञानिकों के बजाय उद्यमियों को प्रमुख भूमिका में दिखाया गया है।

उन्होंने लिखा, 'अमेरिका को किसने बनाया? न कोई राजनेता, न वैज्ञानिक और न ही कोई बुद्धिजीवी। हिस्ट्री चैनल की एक शानदार श्रृंखला में केवल उद्यमियों को चुना गया है।' श्रृंखला में कॉर्नेलियस वेंडरबिल्ट, एंड्रयू कार्नेगी, जॉन रॉकफेलर, जे.पी. मॉर्गन और हेनरी फोर्ड जैसे उद्योगपतियों का जिक्र है, जिन्होंने क्रमशः अवसंरचना, इस्पात, तेल, बैंकिंग और ऑटोमोबाइल उद्योगों की नींव रखी।

अग्रवाल ने कहा कि भारत के विकास में भी उद्यमियों की केंद्रीय भूमिका होनी चाहिए। उन्होंने लिखा, 'हमें अपने उद्यमियों को प्रोत्साहित करना चाहिए, उन पर विश्वास करना चाहिए और उन्हें सम्मान देना चाहिए। वे परिसंपत्तियां बनाएंगे, प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग करेंगे, रोजगार सृजित करेंगे और देश के राजस्व में योगदान देंगे।'

पॉप क्वीन शकीरा की भारत में धमाकेदार वापसी, मुंबई-दिल्ली में होगा लाइव कॉन्सर्ट

क्या आपको भी पॉप म्यूजिक पसंद है? तो यह खबर आपके लिए किसी खुशखबरी से कम नहीं है। दरअसल, ग्लोबल पॉप आइकन और कई ग्रैमी अवॉर्ड विनपर शकीरा एक बार फिरस भारत आ रही है। वाका-वाका गर्ल शकीरा 19 साल बाद फिरसे इंडियन स्टेज पर लाइल परफॉर्म करनी जा रही है। सिंगर के दुनियाभर में करोड़ों फैन हैं। गौरतलब है कि भारत में भी शकीरा की फैन फॉलोइंग तगड़ी है। लोगों को इनके गाने और डांस मूव्ज बेहद पसंद है।

आपको बताते चलें कि शकीरा पूरी दुनिया में वाका-वाका गर्ल के नाम से फेमस है। वहीं, साल 2007 में मुंबई में इन्होंने शो किया था। इस बार 2026 में दो बड़े शहरों में शकीरा का कॉन्सर्ट होने जा रहा है। ये इवेंट फीडिंग इंडिया कॉन्सर्ट 2026 के जरिए आयोजित हो रहा है, इनका उद्देश्य है कि भूख और कुपोषण जैसे मुद्दों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना है। आइए आपको बताते हैं कैसे और कहां टिकट बुक करें।

सबसे पहला कॉन्सर्ट शकीरा का मुंबई में 10 अप्रैल 2026 को होने जा रहा है। ये शो महालक्ष्मी रेसकोर्स में आयोजित होगा। दूसरी ओर 15 अप्रैल 2026 को शकीरा लाइव परफॉर्मेंस देंगी। ये कॉन्सर्ट जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में रखा गया है। इसके अतिरिक्त शकीरा का कॉन्सर्ट बेंगलुरु में भी होगा। यदि आपके पास एचएसबीसी का क्रेडिट कार्ड है, तो आपको टिकट बुक करने का विशेष पहले मौका मिलेगा। प्री-सेल 27 फरवरी को दोपहर 12 बजे शुरू होकर 1 मार्च को दोपहर 12 बजे तक जारी रहेगी। इसके बाद 1 मार्च को दोपहर 1 बजे से सभी के लिए सामान्य टिकट बिक्री शुरू कर दी जाएगी। टिकटें ज़ोमैटो द्वारा जिला ऐप और उसकी आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध होंगी। दिलचस्प बात यह है कि, आपको यहां अभी खरीदें, बाद में भुगतान करें जैसी फैसिलिटी भी मिलेगी। ऐसे में आप पहले हाफ पेमेंट कर सकते हैं, बाकी का भुगतान बाद में करें।

कहा जा रहा है कि शकीरा अपने सबसे सुपरहिट गानों पर परफॉर्म करेंगी। इनमें कूल्हे झूठ नहीं बोलते, जब भी, जहाँ भी और वाका वाका जैसे सॉन्ग्स शामिल हैं। शकीरा के इन गानों के फैन तो हम सभी है। भारत में यह गाने काफी पसंद किए गए है। यदि आप भी लाइव शकीरा का परफॉर्म देखना चाहते हैं, तो दिल्ली और मुंबई में कॉन्सर्ट देख सकते है।

बाफ्टा 2026 : आलिया भट्ट ने 'नमस्ते' से जीता दुनिया का दिल, हॉलीवुड के दिग्गजों के बीच बिखेरा भारतीय रंग!

ब्रिटिश एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन आर्ट्स (बाफ्टा) ने 2026 के अपने प्रतिष्ठित फिल्म अवॉर्ड्स के लिए प्रेजेंटरों की सूची जारी कर दी है। इस बार भारत के लिए गर्व का पल है क्योंकि बॉलीवुड की सुपरस्टार और 'लव एंड वॉर' फिल्म से चर्चा में आईं आलिया भट्ट को आधिकारिक तौर पर प्रेजेंटर चुना गया है। यह समारोह 22 फरवरी को लंदन में आयोजित होगा, जहां आलिया हॉलीवुड के दिग्गज कलाकारों के साथ मंच साझा करती नजर आएंगी।

17 फरवरी 2026 को बाफ्टा ने अपने इंस्टाग्राम पर प्रेजेंटर्स की लिस्ट जारी की, जिसमें आलिया का नाम हॉलीवुड के दिग्गजों के साथ चमक रहा है। वे सिलियन मर्फी ('ओपेनहाइमर' फेम), केट हडसन, ग्लेन क्लोज, माइकल बी. जॉर्डन, सैडी सिंक, एथन हॉक और ब्रायन क्रैनस्टन जैसे सितारों के साथ स्टेज साझा करेंगी। अन्य नामों में गिलियन एंडरसन, ओलिविया कूक, रिज अहमद, मैगी गायलनहाल और स्टॉर्मजी शामिल हैं। यह लिस्ट वैश्विक सिनेमा की विविधता को दर्शाती है। समारोह 22 फरवरी 2026 को लंदन के रॉयल फेस्टिवल हॉल में होगा। आलिया ने इस ऐलान पर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में मजेदार रिएक्शन दिया । '100 पॉइंट्स अगर आप मुझे स्पॉट कर लें!'। यह उनके हल्के-फुल्के अंदाज को दिखाता है।

यह मौका आलिया के लिए मील का पत्थर है। इससे पहले 2021 में प्रियंका चोपड़ा जोनास और 2024 में दीपिका पादुकोण ने बाफ्टा में प्रेजेंट किया था। आलिया का शामिल होना भारतीय सिनेमा की वैश्विक पहचान को मजबूत करता है। कांस और मेट गाला के बाद बाफ्टा उनकी अंतरराष्ट्रीय यात्रा का नया अध्याय है।

इस साल बाफ्टा में पॉल थॉमस एंडरसन की 'वन बैटल आफ्टर एनदर' को 14 नामांकन मिले, जबकि रायन कूगलर की 'सिनर्स' को 13 नामांकन मिले। अन्य फिल्में जैसे क्लो जो की 'हैम्नेट' और जोश सफ्डी की 'मार्टी सुप्रीम' को 11-11 नामांकन हैं। भारतीय फिल्म 'बूंगा' (मणिपुरी भाषा) को चिल्ड्रन एंड फैमिली कैटेगरी में जगह मिली है। हालांकि, 'विक्डः फॉर गुड' जैसे कुछ प्रोजेक्ट्स को स्नब झेलना पड़ा।

आलिया फिलहाल वाईआरएफ की 'अल्फा' (शर्वरी और बॉबी देओल संग) और संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' (रणबीर कपूर, विक्की कौशल संग) में बिजी हैं। 'अल्फा' इस साल रिलीज हो सकती है, जबकि 'लव एंड वॉर' में थोड़ी देरी हो सकती है। उनका यह जलवा बाफ्टा को यादगार बना देगा।